हिन्दी दैनिक

झारखण्ड देखो

खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

Digital Edition

www.jharkhanddekho.com • वर्ष 02 • अंक 90 • पृष्ठ 8 • मंगलवार 19 अप्रैल 2022 • मूल्य 2 रुपये Email - Jharkhanddekho@gmail.com | epaper - Jharkhanddekho.com

संक्षिप्त समाचार

मेंगलुरु में मछली प्रोसेसिंग यूनिट में हादसा, दम घुटने से 5 मजदूरों की मौत

मेंगलुरु। कर्नाटक के मेंगलुरु में मछली प्रोसेसिंग यूनिट में दम घुटने से पांच मजदूरों की मौत हो गई। मेंगलुरु के पुलिस आयुक्त एन शशि कुमार ने सोमवार को यह जानकारी दी। इस हादसे में मारे गए पांचों श्रमिक पश्चिम बंगाल के थे। एन शशि कुमार ने कहा कि यह घटना मेंगलुरु विशेष आर्थिक क्षेत्र में मछली प्रसंस्करण इकाई श्री उल्का एलएलपी में रविवार शाम करीब सात बजे हुई। पुलिस आयुक्त ने कहा, श्रमिकों में से एक कचरा संग्रह टैंक के अंदर गिर गया और उसके अंदर बेहोश हो गया। उसे बचाने के लिए सात अन्य मजदूर टैंक में घुस गए और वे भी बे-होश हो गए। उन्हें ए जे अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया, जहां कल रात तीन की मौत हो गई। आज सुबह आईसीयू में दो अन्य मजदूरों की मौत हो गई। पुलिस आयुक्त ने कहा कि मारे गए सभी मजदूर पश्चिम बंगाल के रहने वाले हैं और उनकी उम्र 20 से 22 वर्ष के बीच बताई जा रही है। एन शशि कुमार ने कहा, ₹हमने प्रबंधक और पर्यवेक्षक के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 304 (गैर इरादतन हत्या) के तहत मामला दर्ज किया है।

बिजनेस

बीएसई सेंसेक्स

57,166.74–1,172.19 (2.01%)

निफ्टी

17,173.65–302.00 (1.73%)

दैनिक पंचांग

सूर्योदयः 05:55 ए एम
सूर्यास्तः 06:47 पी एम
तिथिः पूर्णिमा - 12:24 ए एम, अप्रैल 17 तक
नक्षत्रः हस्त - 08:40 ए एम तक
योगः हर्षण - 02:45 ए एम, अप्रैल 17 तक
करणः विष्टि - 01:28 पी एम तक
द्वितीय करणः बव - 12:24 ए एम
पक्षः शुक्ल पक्ष
वारः मंगलवार

जहांगीरपुरी में फिर पथराव

पूछताछ के लिए महिला को लेने गई पुलिस टीम को बनाया निशाना

जहांगीरपुरी/एजेंसी।

जहांगीरपुरी में फिर एक बार पथराव की घटना सामने आई है। जानकारी के मुताबिक, वहां गोली चलाने वाले आरोपी शख्स की पत्नी को जब पुलिस ने हिरासत में लेना चाहा तो पुलिस टीम पर वहां लोगों ने पथराव किया। इससे पहले दिल्ली के जहांगीरपुरी में 16 अप्रैल को हनुमान जयंती के दिन हिंसा हुई थी। इस हिंसा के बाद अबतक 21 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इसके अलावा दो नाबालिगों को हिरासत में भी लिया गया है। हिंसा में 9 लोग जख्मी हुए हैं, इनमें 8 पुलिसकर्मी शामिल हैं। हालांकि, पथराव के बावजूद पुलिस टीम महिला को ले गई। जानकारी के मुताबिक, सोनू जो कि वीडियो में गोली चलाता दिख रहा है, उसकी पत्नी को पुलिस ने पकड़ा है और पूछताछ के लिए लेकर गई है। आरोपी सोनू फिलहाल फरार है, वह जहांगीरपुरी के उ ब्लॉक में रहता है।

● मां बोली- बेटे ने गुस्से में चलाई गोली

» आरोपी की मां ने कहा कि जहांगीरपुरी में उस दिन हिंदू मुसलमानों का झगड़ा हो गया था। वह बोली उस बीच जब बजरंग दल वाले आए तो बेटे ने गुस्से में गोली चला दी। सोनू चिकन का काम करता है। सोनू फिलहाल फरार है। वहीं उसके भाई सलीम चिकना को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पूरा परिवार पश्चिम बंगाल का रहने वाला है। मां ने कहा कि उसका छोटा बेटा सलीम हिंसा में शामिल नहीं था, बावजूद इसके उसको गिरफ्तार किया गया। मां ने कहा, 'हिंदू मुस्लिम की लड़ाई हो रही थी। वह रोजा खोलने जा रहा था। उसने पिस्टल छीनी और गुस्से में उसे चलाने लगा, लेकिन किसी को चोट नहीं लगी।' सोनू की मां ने कहा कि उसका बेटा डर के कहीं भाग गया है। वहीं पुलिस वालों ने आकर उसका पूरा घर छान मारा है। पुलिस ने जिन 21 लोगों को गिरफ्तार किया था उसमें असलम और अंसार भी शामिल थे। असलम पर भी गोली चलाने का आरोप है. इसके अलावा अंसार को तो पुलिस इस घटना का मास्टर माइंड बता रही है। दोनों मुख्य आरोपियों की पुलिस को एक दिन की रिमांड भी मिली थी।

● आठ जवान समेत 9 लोग हुए जख्मी

» उत्तर–पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त उषा रंगनानी ने बताया कि हिंसा के दौरान पुलिस के आठ जवानों समेत 9 लोग जख्मी हुए थे। इनमें एक एसआई के हाथ में गोली लगी थी। रविवार को कुछ नए वीडियो सामने आए, जिनके आधार पर जांच की जा रही है। इलाके की अमन कमेटियों से बात कर माहौल को शांत करने की कोशिश कर रहे हैं। दिल्ली पुलिस के विशेष आयुक्त दीपेंद्र पाठक (कानून–व्यवस्था) रविवार को दिनभर मौके पर रहे। उन्होंने बताया कि हालात नियंत्रण में हैं। पुलिस ने 200 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज और वीडियो को कब्जे में लिया है। इन्हीं के आधार पर गिरफ्तारियां की गई हैं।

● संवेदनशील इलाकों में कड़ी सुरक्षा

» जहांगीरपुरी में हुई हिंसा के बाद से राजधानी अलर्ट मोड पर है। सभी संवदेनशील इलाके में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। हर जिले में पुलिस उपायुक्त और वरिष्ठ पुलिस अधिकारी अमन कमेटियों के साथ बैठक कर लोगों से शांति बनाए रखने और अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील कर रहे हैं। जमीयत–उलमा–ए–हिंद के लोग भी जहांगीरपुरी पहुंचे और लोगों से मुलाकात कर शांति बनाए रखने की अपील की।

● फायरिंग करने वाले समेत 21 गिरफ्तार

» दिल्ली के जहांगीरपुरी इलाके में हनुमान जयंती की शोभायात्रा पर शनिवार को पथराव के बाद भड़की हिंसा मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी अंसार समेत 21 लोगों को गिरफ्तार कर लिया। इनके अलावा 2 नाबालिग भी पकड़े गए हैं। करीब 21 लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने रविवार को 14 आरोपियों को अदालत में पेश किया, जहां से 12 को जेल भेज दिया गया, जबकि अंसार और गोली चलाने का आरोपी असलम एक दिन की पुलिस हिरासत में हैं। गृहमंत्रालय ने एहतियातन सीआरपीएफ और आरएएफ की पांच और कंपनियां इलाके में भेजी हैं। दिल्ली पुलिस ने मामले की जांच अपराध शाखा को सौंप दी है।

लखीमपुर हिंसा के आरोपी आशीष की बेल खारिज

नयी दिल्ली/एजेंसी।

लखीमपुर खीरी हिंसा मामले के मुख्य आरोपी और केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्रा टेनी के बेटे आशीष की जमानत रद्द हो गई है। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को मामले की सुनवाई करते हुए आशीष को एक हफ्ते में सरेंडर करने का आदेश दिया है। रउ ने यह भी कहा कि इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पीड़ित पक्ष को नहीं सुना। ऋक्षफ़ पीड़ित परिवार के पक्ष और बाकी तमाम बिंदुओं पर विचार करते हुए आशीष की जमानत तत्काल रद्द की जाती है।

● हाईकोर्ट ने जल्दबाजी में दी जमानत, एक हफ्ते के अंदर करना होगा सरेंडरः सुप्रीम कोर्ट

आशीष मिश्रा के लिए राहत की एक खबर यही है कि वह फिर से जमानत की अपील कर सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया है कि नए सिरे से जमानत के लिए वह फिर से इलाहाबाद कोर्ट में फ्रेश याचिका दायर कर सकते हैं। उस पर हाईकोर्ट फिर से विचार कर सकता है। तो, एक दरवाजा आशीष मिश्र के लिए अब भी खुला हुआ है।

अजान के समय हनुमान चालीसा बजाने पर पाबंदी, लाउडस्पीकर को लेकर नासिक में निर्देश जारी

मुंबई/एजेंसी।

लाउडस्पीकर विवाद के बीच नासिक प्रशासन ने बड़ा फैसला किया है। अब यहां लाउडस्पीकर पर हनुमान चालीसा या भजन बजाने के लिए अनुमति लेनी होगी। नासिक पुलिस कमिश्नर दीपक पांडे ने बताया कि अजान से पहले और बाद में 15 मिनट के भीतर इसकी अनुमति नहीं होगी। इतना ही नहीं मस्जिद के 100 मीटर के दायरे में हनुमान चालीसा बजाने की इजाजत नहीं होगी।

नासिक कमिश्नर ने कहा कि, इस आदेश का उद्देश्य कानून-व्यवस्था बनाए रखना है। उन्होंने बताया कि, सभी धार्मिक स्थलों को 3 मई तक लाउडस्पीकर के उपयोग की अनुमति लेने का निर्देश दिया गया है। 3 मई के बाद यदि कोई आदेश का उल्लंघन करता पाया जाता है तो उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। महाराष्ट्र में लाउडस्पीकर विवाद के बीच गृह विभाग की ओर से बड़ा फैसला किया जा सकता है। अब राज्य में पुलिस की इजाजत के बाद

ही धार्मिक स्थलों पर लाउडस्पीकर के उपयोग की अनुमति होगी। महाराष्ट्र के गृह मंत्री दिलीप वालसे पाटिल आज इस संबंध में डीजीपी व पुलिस कमिश्नरों के साथ भी बैठक करने वाले हैं। माना जा रहा है कि वह इस संबंध में दिशा निर्देश जारी करेंगे। इसके अलावा राज्य की कानून व्यवस्था व सार्वजनिक स्थानों पर लाउडस्पीकर के उपयोग पर वह मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के साथ भी बैठक करेंगे। दरअसल, महाराष्ट्र में लाउडस्पीकर विवाद इन दिनों छाया हुआ है। मनसे मस्जिदों से लाउडस्पीकर हटाने को लेकर लगातार प्रदर्शन कर रही है। बीते दिनों मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने शिवाजी पार्क में एक रैली को संबोधित करते हुए मस्जिदों से लाउडस्पीकर हटाने की मांग की थी।

फिर रफ्तार पकड़ रहा कोरोना

दिल्ली से जुड़े राज्यों में बढ़े सर्दी-जुकाम के मामले

नयी दिल्ली/एजेंसी।

कोविड-19 संक्रमण के बढ़ते मामलों ने एक बार फिर चिंता बढ़ा दी है। खासकर देश की राजधानी और एनसीआर में संक्रमण के नए मामलों में 50 प्रतिशत से अधिक इजाफा दर्ज हुआ है। मामलों में अचानक तेजी देखकर सरकारी तंत्र हरकत में आ गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अफसरों का कहना है कि मामले बढ़ने से घबराने की जरूरत नहीं है, मगर सतर्क रहना जरूरी हो गया है। जल्द कुछ कदम उठाए जा सकते हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) इस सप्ताह होने वाली बैठक में मास्क लगाना अनिवार्य कर सकता है। इस बैठक में उप राज्यपाल अनिल बैजल भी भाग ले सकते हैं। एनसीआर में संक्रमण दर तेजी से बढ़ रही है। गुरुग्राम में यह दर 19.1

फीसदी, गौतमबुद्धनगर में 7.65 फीसदी और फरीदाबाद में यह 5.5 फीसदी तक पहुंच गई है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि आवाजाही पर प्रतिबंध पूरी तरह समाप्त करने के बाद संक्रमण के मामलों में फिर तेजी आई है। ओमिक्रोन और सार्स-कोव-2 के अन्य स्वरूप लोगों में श्वास नली के ऊपरी हिस्से को संक्रमित कर रहे हैं।

1 अप्रैल को देश में आए नए संक्रमण के कुल मामलों में दिल्ली-एनसीआर की हिस्सेदारी 11.8 फीसदी थी जो 16 अप्रैल को बढ़कर 52.5 प्रतिशत हो गई है। इसे देखते हुए हालात कभी भी नियंत्रण से बाहर हो सकते हैं। इसी को ध्यान में रखते दिल्ली के साथ महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई को भी अलर्ट पर रखा गया है। स्थानीय प्रशासन ने सभी जांच केंद्रों को फिर से खोल दिया हैं और निःशुल्क जांच शुरू कर दी है।

सभी चिकित्सकों को निर्देश भी दिया गया है कि,सर्दी-जुकाम वाले सभी मरीजों को आरटी-पीसीआर जांच कराने के लिए भेजा जाए। वहीं सरकार ने सभी प्राइवेट और सरकारी अस्पतालों को 48 घंटे के नोटिस पर पूर्ण क्षमता के साथ कोविड-19 वार्ड बनाने के लिए तैयार रहने का भी आदेश दिया है। मुंबई में फिलहाल दिल्ली से आने वाले यात्रियों के स्वास्थ्य की जांच नहीं हो रही है, हालांकि मुंबई में नमूनों का जीन सर्वेक्षण जरूर किया जा रहा है।

नोएडा, लखनऊ समेत कई जिलों में मास्क हुआ जरूरी, कोरोना के बढ़ते केस के बीच सीएम योगी का आदेश

लखनऊ। यूपी में फिर से बढ़ते कोरोना केस के बीच सजगता बढ़ा दी गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिए हैं कि गौतमबुद्ध नगर, गाजियाबाद, हापुड़, मेरठ, बुलंदशहर, बागपत और तथा लखनऊ में सार्वजनिक स्थानों पर मास्क लगाया जाना अनिवार्य किया जाए। इन जनपदों में टीकाकरण से छूटे लोगों को चिन्हित कर वैक्सीनेट किया जाए। पब्लिक एड्रेस सिस्टम का प्रभावी ढंग से इस्तेमाल किया जाए। लक्षणयुक्त लोगों की टेस्टिग कराई जाए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को टीम –9 के अधिकारियों के साथ बैठक कर रहे थे। उन्होंने निर्देश दिया है कि एनसीआर में कोविड पॉजिटिव पाए गए मरीजों के सैम्पल की जीनोम सिक्वेंसिंग के दौरान कोविड के ओमीक्रोन वैरिएंट की ही पुष्टि हुई है। विशेषज्ञों के अनुसार संभव है कि केस की संख्या में बढ़ोतरी हो लेकिन अस्पताल में भर्ती होने अथवा मरीज के अति गंभीर होने की स्थिति नहीं होगी। लोगों को कोविड प्रोटोकॉल का अनुपालन के लिए जागरूक किया जाए। सीएम ने कहा कि प्रदेश की सीमा से लगे कुछ राज्यों में कोविड के केस में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। एनसीआर के जिलों में भी

Immediately Required

Franchise / Mitr Sewak

for working on following services on commission basis:-

- Amazon Easy store
- Mitr Digi Portal (AEPS, , DMT, ATM, RECHARGE, BILL PAYMENTS etc.)
- Online Bima for all major Bima Companies
- Online E-Store for E-Commerce
- Mutual fund, Tax filling, NPS, Share, Demat / online Trading Othere services

Registration Charges 2000+GST

Income opportunity of Rs. 40,000-60,000 with les investment

Mitr Sewa Pvt. Ltd.
Vikas Sabke Dwaar

Immediately contact

Shri : Manoj Kumar
Post : Area Manager, Mitr Sewa Foundations
Mob : 9151005283, 9006469840
Email : manoj.kumar@mitrsewa.in

निर्वाचन आयोग द्वारा किए गए घोषणा के साथ ही जिला में आदर्श आचार संहिता लागू

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। अनुमण्डल पदाधिकारी महेश्वर महतो ने कहा कि राज्य निर्वाचन आयोग, झारखण्ड राँची द्वारा प्रकाशित अधिसूचना ज्ञापांकः03नि0/पं0-154/2022 रा0नि0आ0-541, राँची, दिनांक-09.04.2022 द्वारा त्रिस्तरीय पंचायत (आम) निर्वाचन-2022 की घोषणा की गई है, जो दुमका अनुमंडल अंतर्गत रामगढ़-02, गोपीकान्दर-03, काठीकुण्ड-04, शिकारीपाड़ा-10, दुमका-05, मसलिया-08, रानेश्वर-09, सरैयाहाट-01, जामा-06 एवं जरमुण्डी-07 में होना है तथा विभिन्न अभ्यार्थियों द्वारा नामांकन की प्रकिया 16 अप्रैल से की जानी है। नामांकन प्रकिया दुमका अनुमंडल अर्न्तगत में होना है।

निर्वाचन आयोग द्वारा किये गये इस घोषणा के साथ ही आर्दश आचार संहिता भी लागू हो गया है।कहा कि इस बात की प्रबल आशंका है कि आसन्न चुनाव को लेकर एक उम्मीदवार के समर्थक अन्य उम्मीदवारों के समर्थकों से आपस में झगड़ सकते है तथा कमजोर वर्ग के मतदाताओं में भय उत्पन्न कर सकते है। साथ ही अपने शक्ति का खुलेआम प्रदर्शन कर चुनाव प्रकिया को प्रभावित करने का प्रयास कर सकते है।कुछ उम्मीदवारों द्वारा धन बल के सहारे असामाजिक तत्वों तथा कुख्यात अपराधकर्मियों का सहयोग प्राप्त कर मतदाताओं को धमका कर उन्हें मताधिकार से वंचित रखने का प्रयास किया जा सकता है। विभिन्न उम्मीदवारों के समर्थकों द्वारा कटुतावश झगड़ा कर शांति व्यवस्था भंग कर सकते है एवं निर्वाचन प्रकिया को बाधित कर सकते है।यह भी प्रतीत होता है कि यदि तत्काल निरोधात्मक कार्रवाई नहीं की गयी तो भयमुक्त वातावरण में निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण चुनाव कराना संभव नहीं हो सकेगा एवं निर्वाचन के अवसर पर शांति व्यवस्था भंग होने की प्रबल संभावना बनी रहेगी।अतः 16अप्रैल से निर्वाचन प्रकिया समाप्ति होने तक द0प्र0स0 की धारा 144 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित शर्तों के साथ निषेधाज्ञा लागू किया जाता है।कहा कि पाँच या पाँच से अधिक व्यक्ति नामांकन के समय निर्वाची पदाधिकारी के कार्यालय एवं पोलिंग बूथ से 100 मीटर के अंदर एकत्रित नहीं होगें न ही नजायज मजमा लगायेंगें।नामांकन के समय अभ्यर्थी अपने साथ अधिकतम दो व्यक्तियों को निर्वाची कार्यालय में लायेंगे।कोई भी व्यक्ति किसी प्रकार का घातक हथियार, लाठी, भाला, गड़ासा, तीरकमान तथा किसी प्रकार के आग्नेयास्त्र एवं विस्फोटक पदार्थों को लेकर नहीं चलेंगे।कोई भी व्यक्ति किसी अभ्यार्थी को नामांकन दाखिल करने एवं निर्वाचन प्रकिया में व्यवधान उत्पन्न नहीं करेंगे।कोई भी अभ्यार्थी अथवा उनके समर्थकों द्वारा कोई उत्तेजक अथवा साम्प्रदायिक नारों का प्रयोग नहीं करेगें।किसी प्रकार का सभा के आयोजन हेतु निर्वाची पदाधिकारी से अनुमति प्राप्त करना आवशचक होगा।

लॉउडीस्पीकरों के प्रयोग प्रचार वाहन हेतु निर्वाची पदाधिकारी से अनुमति प्राप्त करना अनिवार्य होगा।

यह निषेधाज्ञा निर्वाचन में प्रतिनियुक्त पदाधिकारी एवं कर्मचारियों तथा विधि व्यवस्था में प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों/पुलिस कर्मी पर लागू नहीं होगा।

संक्षिप्त समाचार

साथी सहिया ने आग लगाकर की जान देने की कोशिश

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। रामगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत पथरिया पंचायत के कसियादुम गांव की सहिया साथी संजू कुमारी हांसदा ने सोमवार की दोपहर घरेलू विवाद के कारण अपने शरीर में आग लगाकर आत्महत्या करने की कोशिश की। आग लगाने के बाद आनन-फानन में परिजनों ने उसे रामगढ़ स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया जहां से प्राथमिक उपचार के बाद दुमका रेफर कर दिया गया। संजू कुमारी हांसदा ने आग क्यों लगाई इसका अभी कारण नहीं पता चल पाया है। चिकित्सकों के अनुसार संजू कुमारी हांसदा का शरीर का 70 से 80 प्रतिशत जल चुका है। वहीं इस मामले में रामगढ़ थाना प्रभारी रुपेश कुमार ने बताया कि उन्हें इस मामले की कोई जानकारी नहीं है। यदि स्वजन दुमका मेडिकल कालेज ले गए हैं तो दुमका टाउन की पुलिस फर्द बयान लेने के बाद रामगढ़ भेजेगी। फिलहाल संजू कुमारी हांसदा की स्थिति बेहद नाजुक बनी हुई है। वह पथरिया कलस्टर की सहिया साथी है।

घर में लगी आग से घर में रखा अनाज समेत घर जलकर राख

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। शिकारीपाड़ा प्रखंड के मलूटी पंचायत अंतर्गत कुरुंदा गांव निवासी बुबई मरांडी के घर में रविवार की रात आग लग गई जिससे घर में रखा सालभर का अनाज सहित पूरा घर जलकर राख हो गया ग्रामीणों की सक्रियता से आग पर काबू पा लिया गया जिसके कारण अन्य घरों में आग नहीं लग पाई। घर सहित लगभग रू 60000 का नुकसान हुआ है आग लगने के कारण बुबई के परिवार के समक्ष एक वक्त की रोटी पर आफत आ गया है पीड़ित परिवार अंचलाधिकारी शिकारीपाड़ा से राहत की गुहार लगाया है। अंचल अधिकारी राजू कमल ने बताया कि आग लगने की सूचना प्राप्त हुई है राजस्व कर्मचारी को जांच के लिए भेजा गया है जांच प्रतिवेदन आने के पश्चात नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। हो गयाड्ड ग्रामीणों की सक्रियता से आग पर काबू पा लिया गया जिसके कारण अन्य घरों में आग नहीं लग पाई। पीड़ित ने बताया कि घर सहित लगभग रू 60000 का नुकसान हुआ है ।आग लगने के कारण बुबई के परिवार के समक्ष एक वक्त की रोटी पर भी आफत आ गई है।पीड़ित परिवार ने अंचलाधिकारी शिकारीपाड़ा से राहत की गुहार लगाई है। अंचल अधिकारी राजू कमल ने बताया कि आग लगने की सूचना प्राप्त हुई है।राजस्व कर्मचारी को जांच के लिए भेजा गया है जांच प्रतिवेदन आने के पश्चात नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

धधकिया मंदिर परिसर में चला सफाई अभियान

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। दुमका। सदर प्रखंड के मुड़ाबहाल चौक पर सोमवार को भाजपा ग्रामीण मंडल के अध्यक्ष गणपति पाल की अगुआई में सामाजिक न्याय पखवाड़ा के तहत धधकिया के राधा मंदिर परिसर में सफाई अभियान चलाया गया। इसके अलावा कार्यकर्ताओं ने मुड़ाबहाल चौक पर स्व.अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा की भी साफ- सफाई की। इस दौरान भाजपाईयों ने उन्हें श्रद्धांजलि भी अर्पित की। मौके पर पूर्व प्रखंड अध्यक्ष नीरज प्रसाद भंडारी, युवा मोर्चा के प्रखंड अध्यक्ष पंकज झा, गौतम झा, रामपुर के पंचायत प्रभारी प्रद्युम्न भंडारी, विजय यादव, पवन मंडल, जियाधर, जगबंधु मंडल, आकाश कुमार, दिनेश कुमार समेत अन्य कार्यकर्ता शामिल थे।

समूह के सदस्यों ने बीडीओ से अध्यक्ष पर फर्जीवाड़ा की शिकायत की

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका । रानीश्वर प्रखंड के बिलकांदी पंचायत के चाय चंपा स्वयं सहायता समूह के निलंबित जन वितरण प्रणाली दुकान के सात सदस्य ने सोमवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी के कार्यालय पहुंचकर समूह की अध्यक्ष प्रमिला टुडू की शिकायत की है। बीडीओ की अनुपस्थिति में समूह की सदस्य मुंगली किस्कु, मकलु सोरेन, शिउली किस्कु, फुलमनी मुर्मू, छवि टुडू, ललिता हांसदा, विमला हांसदा ने कार्यालय के प्रधान सहायक प्रकाश राम को शिकायत से संबंधित आवेदन सौंप कर समुचित कार्रवाई की मांग की है। दिए गए आवेदन में जिक्र है कि पीडीएस दुकान चाय चंपा स्वयं सहायता समूह कि अध्यक्ष प्रमिला ने दुकान संचालन में गड़बड़ी एवं सदस्यों को अंधेरे में रख कर दो महीने का अनाज हड़पने की शिकायत की थी। जांच में आरोप सही पाकर प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी विपिन किशोर कुंडलाना ने दुकान को निलंबित कर दिया है। समूह की सदस्यों के मुताबिक प्रमिला ने दुकान को निलंबन मुक्त करने के लिए छह अप्रैल को जिला आपूर्ति पदाधिकारी को आवेदन दिया है जिसमें आवेदन के साथ समूह की बैठक व इसमें लिए गए प्रस्ताव की छाया प्रति जमा है। समूह के सदस्यों का आरोप है कि प्रमिला ने उन सदस्यों को बिना सूचना के एक मनमानी एवं फर्जी प्रस्ताव तैयार कर जिला आपूर्ति कार्यालय में जमा किया है। उस प्रस्ताव में सदस्य फुलमनी मुर्मू का फर्जी हस्ताक्षर है। जबकि एक अन्य सदस्या ललिता हांसदा को डरा-धमका कर हस्ताक्षर करवाया गया है। इतना ही नहीं निलंबित अध्यक्ष प्रमिला ने उस प्रस्ताव में पश्चिम बंगाल निवासी पुत्री फूल कुमारी हांसदा का नाम जोड़ दिया है। फूल कुमारी की राज नगर थाना क्षेत्र के गोविंदचक गांव में शादी हुई है। पता चला है कि उस गुपचुप तैयार प्रस्ताव को महिला प्रसार पदाधिकारी ने अभिप्रमाणित भी किया है। महिलाओं ने कहा कि यहां प्रखंड सहकारिता प्रसार पदाधिकारी अशोक कुमार अग्रवाल महिला प्रसार पदाधिकारी के अतिरिक्त प्रभार में हैं।

एक वर्ष से सोलर टंकी खराब और दूसरा डेढ़ वर्षो से टंकी छेदा

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। रामगढ़ प्रखंड,सुसनिया पंचायत के अन्तर्गत दुन्दिया गांव में दो टोला है और करीब 60 घर अवस्थित है.लातार टोला और चितान टोला में एक एक चापाकल है और उसमे सोलर टंकी भी लगा हुआ है. लातार टोला में करीब दो वर्ष पूर्व सोलर टंकी लगी थी.कुछ दिन चलाने के बाद सोलर टंकी में लिक/छेदा हो गया.जिस कारण टंकी में पानी अधिक देर नहीं रह पाती है और लगातार पानी टंकी से चुता रह रहा है.जिससे पानी का बर्बादी होती रहती है.ग्रामीणों ने अपने स्तर से टंकी का छेदा को बंद करने का कोशिश किया गया लेकिन वे सफल नहीं हुए. लातार टोला के ग्रामीणों का मांग है कि सोलर टंकी को बदल कर नया टंकी दिया जाय ताकि पानी बर्बाद न हो और ग्रामीणों को भी हमेशा पानी मिलते रहे.चितान टोला में भी एक सोलर टंकी लगा हुआ है लेकिन करीब एक वर्ष से खराब पड़ा हुआ है. चितान टोला के ग्रामीणों का कहना है कि सोलर टंकी को चालू किया जाय और आधा-अधुरा नल का कनेक्शन कुछ घरो में दिया गया है,उसे बंद किया जाय.क्योकि उससे पानी का बर्बादी होती है. दुन्दिया गांव के ग्रामीणों का कहना है कि मात्र दो चापाकल से पानी का बहुत दिक्कत होता है .अतः दोनों टोला में एक-एक कर और नया चापाकल दिया जाय.इस मौके में सुरूधानी मरान्डी,नाचन हेम्बरम, सुरुज मरान्डी, पहलू टुडू, सिता हेम्बरम, मैंईनो टुडू, रानी हांसदा,पाकु टुडू, बिटिया बेसरा, होपनटी मुर्मू,पाकु टुडू, मैंयनो मुर्मू, झुमरी हेम्ब्रोम,ढेना बेसरा,मकलू मुर्मू,अनिता मरान्डी लीली मुर्मू,हीरामणी मुर्मू, रावी टुडू,अभिसोल मरान्डी,गुपीन मरान्डी,भैरो बेसरा,सोम बेसरा आदि उपस्थित थे।

नाम निर्देशन के प्रक्रिया की हुई शुरुआत

- **19 लोगों ने नामांकन पत्र दाखिल किया**

साहिबगंज/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। त्रिस्तरीय झारखंड आम निर्वाचन 2022 हेतु प्रथम चरण के चुनाव में प्रत्याशियों के नाम निर्देशन सोमवार को प्रथम दिन रहा ज्ञात हो कि नामनिर्देशन की तिथि 18 अप्रैल से 23 अप्रैल तक है।पहले दिन बरहरवा प्रखंड में ग्राम पंचायत के सदस्य के पद पर चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों द्वारा नामांकन पत्र दाखिल किए गए जिसमें नामांकन पत्रों की कुल संख्या 14 रही। जिसमें 8 महिला एवं 06 अन्य ने नामांकन पत्र दाखिल किया। बोरियो प्रखंड में ग्राम पंचायत के सदस्यों के पद पर 05 लोगों ने नामांकन पत्र दाखिल किए जिसमें 01 महिला एवं 04 अन्य रहे बरहरवा एवं बोरियो प्रखंड में इसके अलावे किसी भी पद के लिए कोई नामांकन पत्र दाखिल नहीं किया गया।इस प्रकार बोरियो एवं बरहरवा प्रखंड से कुल 19 लोगों ने सोमवार को नामांकन पत्र दाखिल किया।

बैसाखी सोमवारी पर बासुकीनाथ में उमड़ी भक्तों की भीड़

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। बासुकीनाथ के दरबार में बैसाख मास के कृष्ण पक्ष की द्वितीया तिथि सह बैशाख माह की पहली सोमवारी को भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। बासुकीनाथ में इस विशेष तिथि पर भोलेनाथ की पूजा करने के लिए भक्तों की भारी भीड़ जुटी। इस मौके पर द्वितीया तिथि एवं सोमवार के इस अदभुत संयोग के कारण इस विशिष्ट तिथि पर शिव पूजन एवं धार्मिक अनुष्ठान संपादित कराने की पुण्यतिथि बन पड़ी। इस मौके पर देर शाम तक करीब 25 हजार से अधिक भक्तों ने पूजा-अर्चना की।बासुकीनाथ मंदिर के पुरोहित पंडित मणिकांत झा उर्फ मन्नो बाबा ने बताया कि बैसाख मास के कृष्ण पक्ष द्वितीया तिथि को सोमवारी के इस शुभ मौके पर बासुकीनाथ मंदिर में दिन भर भक्तों की भारी भीड़ लगी रही। भीषण गर्मी की वजह से दोपहर एक बजे के बाद भीड़ में थोड़ी कमी नजर आई। इस मौके पर देश के कोने-कोने से आए भक्तों ने अपनी पूर्व मनौती के अनुरूप बासुकीनाथ मंदिर में रुद्राभिषेक, कालसर्प पूजन, सत्यनारायण कथा, मुंडन कर्म, ध्वजारोहण, गठबंधन पूजा सहित अन्य धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराए। इस अवसर पर भक्तों की उमड़ने वाली भीड़ को देखते हुए मंदिर प्रबंधन और पुलिस प्रशासन के द्वारा सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम किया गया था। वहीं सोमवार की देर रात्रि भक्तों ने बाबा बासुकीनाथ का भव्य शृंगार पूजा, अष्टजाम व चौपहरा संपन्न कराया।

स्वास्थ्य मेला लगाकर योजनाओं की दी गई जानकारी

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। काठीकुंड सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में सोमवार को चिकित्सक प्रभारी डा.हेमंत कुमार मुर्मू के नेतृत्व में एक दिवसीय स्वास्थ्य मेला का आयोजन किया गया जिसका शुभारंभ डा.आनंद मोहन सोरेन ने किया। बतौर मुख्य अतिथि डा. आनंद मोहन ने मेला में लगाए गए 21 स्टालों का निरीक्षण किया और स्टालों पर उपस्थित कर्मचारियों से आवशचक जानकारी ली। चिकित्सा पदाधिकारी डा. हेमंत कुमार मुर्मू ने कहा कि जांच घर, दंत चिकित्सा, यक्ष्मा केंद्र, युवा मैत्री केंद्र, टीकाकरण, मलेरिया, कालाजार, परिवार नियोजन, नवजात स्वास्थ्य, मातृत्व स्वास्थ्य, पोषण उपचार केंद्र, आयुष्मान समेत कई योजनाओं के स्टाल लगाए गए थे। मेला में स्टाल के जरिए आमजनों को योजना के बारे में जानकारी देना था।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव हेतु अभ्यर्थियों की पात्रता लागू

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। जिला निर्वाचन पदाधिकारी (पंचायत)सह उपायुक्त ने त्रिस्तरीय पंचायत (आम) निर्वाचन, 2022 हेतु अभ्यर्थियों की पात्रता के संबंध में कहा है कि कोई भी व्यक्ति यदि वह राज्य या केन्द्र सरकार के शिक्षण संस्थाओं में शिक्षक या कर्मचारी के रूप में कार्यरत हो, उदाहरण स्वरूप प्राथमिक विद्यालय, मध्य विद्यालय, उच्च विद्यालय, सरकारी महाविद्यालय, केन्द्रीय विद्यालय आदि में कार्यरत हो तो वह अभ्यर्थी नहीं हो सकता है।

डिस्ट्रीक्ट बोर्ड, नगर निगम, सहकारिता अधिकोष या निगम, खादी ग्रामोद्योग संघ, हस्तकरघा निगम एवं केन्द्रीय या राज्य सरकार उपक्रमो के कर्मी तथा पदाधिकारी भी त्रिस्तरीय पंचायत निकायों के किसी भी निर्वाचन क्षेत्र से अभ्यर्थी नहीं हो सकते जबतक वे अपने पद पर कार्यरत हैं।कोई भी व्यक्ति जो राज्य सरकार या केन्द्र सरकार की सेवा में कार्यरत हो वह त्रिस्तरीय पंचायत निकायों की किसी पद के लिए उम्मीदवार नहीं हो सकता है।कोई भी व्यक्ति एक ही निर्वाचन क्षेत्र से अभ्यर्थी हो सकता है भले ही उसका नाम एक से अधिक निर्वाचन क्षेत्रों की मतदाता सूची में दर्ज हो।झारखण्ड पंचायत निर्वाचन नियमावली, 2001 के नियम 23 की प्रक्रिया समाप्त हो जाने के बाद मतदाता सूची में अंकित नाम से ही नाम-निर्देशन पत्र दाखिल किया जायेगा। इसमें किसी भी प्रकार का संशोधन मान्य नहीं होगा।प्रखण्ड या जिला या सरकार के किसी विभाग द्वारा प्रायोजित योजना के संवेदक त्रिस्तरीय पंचायत निकायों के निर्वाचन में अभ्यर्थी हो सकते है परन्तु ऐसा व्यक्ति जो झारखण्ड पंचायत राज अधिनियम, 2001 की धारा 11 के अंतर्गत गठित पंचायत निकायो के साथ, उसके द्वारा या उसकी ओर से की गई क्रिया संविदा में प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः अंश या हित रखता हो तो वह

त्रिस्तरीय पचायत निकायों के निर्वाचन में अभ्यर्थी नहीं हो सकता है।पंचायत के अंतर्गत मानदेय पर कार्यरत आंगनबाडी सेविका, सहायिका, झारखण्ड शिक्षा परियोजना अभियान/विशेष शिक्षा केन्द्रों में मानदेय पर कार्यरत अनुदेशक, पंचायतों के अधीन मानदेय पर कार्यरत शिक्षा मित्र या अन्य कर्मी, पंचायत के अंतर्गत मानदेय पर कार्यरत दलपति,केन्द्र या राज्य सरकार या किसी स्थानीय प्राधिकार से पूर्णतः या आंशिक वित्तीय सहायता प्राप्त करने वाले शैक्षणिक/गैर शैक्षणिक संस्थाओं में कार्यरत/पदस्थापित/प्रतिनियुक्त पदाधिकारी/शिक्षक/प्रोफेसर/शिक्षकेत्तर/कर्मचारी आदि पंचायत निकायों के निर्वाचन में किसी पद के लिए अभ्यर्थी के लिए पात्र नहीं है।गृह रक्षक (होम गार्ड) भी त्रिस्तरीय पंचायत निकायों के निर्वाचन के किसी पद के लिए उम्मीदवार नहीं हो सकते हैं।परन्तु सेवानिवृत सरकारी सेवक, जनवितरण प्रणाली के अनुज्ञप्तिधारी विक्रेता, कमीशन के आधार पर काम करने वाले अभिकर्ता, अकार्यरत गृहरक्षक, मनरेगा के मेट आदि त्रिस्तरीय पंचायत निकायों के निर्वाचन के किसी पद के लिए उम्मीदवार हो सकते हैं।कोल्हान क्षेत्र में मानकी-मुण्डा की व्यवस्था में काम करने वाले मानकी, मुण्डाएवं डाकुआ को पंचायत निकायों के निर्वाचन में अभ्यर्थी बनने में कोई प्रतिबंध नहीं है। इसी प्रकार ग्राम प्रधान, पंचायत निर्वाचन के निकायों में अभ्यर्थी बनने के योग्य माने जायेंगे।इस संबंध में यह और भी स्पष्ट किया जाता है कि किसी भी अभ्यर्थी की योग्यता के बारे में निर्णय लेने में यह ध्यान आवशचक है कि अभ्यर्थी किस संस्था में या किस संस्था के लिए कार्यरत है चाहे नियमित वेतनमान पर हो या मानदेय पर। यदि संबंधित संस्था को केन्द्रसरकार या राज्य सरकार या किसी स्थानीय प्राधिकार से वित्तीय सहायता (पूर्ण रूपेण या आंशिक रूप से) प्राप्त होती है तो इस प्रकार के संस्था में या संस्था के लिए कार्यरत कोई व्यक्ति पंचायत निकायों के निर्वाचन में अभ्यर्थी बनने के लिए अयोग्य समझे जायेंगे।

To-Let
Second floor

1. Bedroom - 2
2. Study room -1
3. Dinning Hall
4. Kitchen

Address : Kumharpara, Kali Mandir, Dumka.
Rent -Rs. 10000 + Electricity Bill.

Contact number : 7991134302, 8969695666

संक्षिप्त समाचार

प्रथम चरण का नामांकन प्रारंभ, जिला परिषद प्रत्याशी ने किया नामांकन

पाकुड़ः (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। त्रिस्तरीय पंचायत (आम) निर्वाचन 2022 के प्रथम चरण का नामांकन प्रारंभ हो चुका है। पाकुड़ प्रखंड में सोमवार जिला परिषद प्रत्याशी के लिए 1 (सामान्य श्रेणी) उम्मीदवार द्वारा नामांकन किया गया। पंचायत समिति हेतु 0 प्रत्याशियों द्वारा नामांकन किया गया। मुखिया प्रत्याशी 01 (अनुसूचित जनजाति) द्वारा नामांकन किया गया। वार्ड सदस्य के लिए 19 प्रत्याशियों द्वारा नामांकन किया गया। त्रिस्तरीय पंचायत आम निर्वाचन 2022 के प्रथम चरण के तहत जिला परिषद सदस्यों से संबंधित 11 प्रपत्रों की बिक्री हुई एवं मुखिया सदस्य के लिए 62 नामांकन प्रपत्रों की बिक्री हुई। पंचायत समिति सदस्य के लिए 98 नामांकन प्रपत्रों की बिक्री हुई। वार्ड सदस्य का 417 प्रपत्रों की बिक्री हुई।

जिला में डायलिसिस की व्यवस्था शुरुआत

- **सदर अस्पताल में डायलिसिस के दो मशीन लगाए गए**

पाकुड़ः (विनोद कुमार दास)। (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। जिला में आज से डायलिसिस की व्यवस्था की शुरुआत की गई है। उपायुक्त वरुण रंजन ने सदर अस्पताल में डायलिसिस सेंटर का निरीक्षण किया। निरीक्षण क्रम में उपायुक्त ने कहा कि अभी प्रथम चरण में सदर अस्पताल में डायलिसिस के दो मशीन लगाए गए हैं, जो हेल्थ डिपार्टमेंट के सहयोग से किया जा रहा है। हमारे जिले में किडनी के पेशेंट हैं, जो डायलिसिस के लिए जिला से बाहर जाना पड़ता था। अब इसका लाभ सदर अस्पताल में ले सकते हैं। जो व्यक्ति राशन कार्ड धारी है या जिसके आय 72000 से कम है या जो आयुष्मान कार्डधारी हैं उसके लिए डायलिसिस की सुविधा मुफ्त में उपलब्ध है। उसके ऊपर जो लोग हैं उनको 1209 रुपए में यह सुविधा दी जा रही है। आगे आने वाले समय में यह दो मशीन से पांच मशीन बढ़ाए जाएंगे। जैसे-जैसे पेशेंट की संख्या बढ़ेगी हमलोग भी संख्या में बढ़ोतरी करेंगे। आगे और भी हम लोग सदर अस्पताल में सुविधाओं में वृद्धि करेंगे। इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉक्टर रामदेव पासवान, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ० चंदन, स्वास्थ्य विभाग के डॉक्टर एवं कर्मी उपस्थित थे।

संस्कृत की परीक्षा संपन्न, 19 अनुपस्थित रहे

पाकुड़ः (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। पाकुड़िया प्रखंड के चार परीक्षा केंद्रों में सोमवार को संस्कृत की परीक्षा ली गयी। परीक्षा केंद्र राजकीयकृत प्लस टू उच्च विद्यालय पाकुड़िया में 131 परीक्षार्थी में 112 परीक्षार्थी शामिल हुए जिसमें 19 अनुपस्थित रहे वहीं उत्क्रमित कन्या उच्च विद्यालय पाकुड़िया में 52 में से 48 परीक्षार्थि शामिल हुए जिसमें 04 अनुपस्थिति रहे, चौकिशाल उच्च विद्यालय में 65 परीक्षार्थि में 3 अनुपस्थित रहे एवं हरिश्चंद्र मध्य विद्यालय में 78 परीक्षार्थि में 73 शामिल हुए 05 अनुपस्थित रहे। सभी परीक्षार्थियों को बारी-बारी से जांच कर अंदर जाने दिया गया। परीक्षा केंद्र में परीक्षा प्रारंभ होने से पहले बीडीओ सह गश्ती दंडाधिकारी मनोज कुमार, सीओ सह उड़नदस्ता दंडाधिकारी किरण डांग, प्रभारी सीआई सह स्टेटिक मजिस्ट्रेट सुबास यादव, बीईईओ सह केंद्राधीक्षक जलेश्वर साह एवं प्लस उच्च विद्यालय में केंद्राधीक्षक परमिला टुडू, ए एस आई गोविंद प्रसाद, एएसआई अरुण दुबे, एएसआई मनदीप मेहता, एएसआई गोविंद प्रसाद सहित अन्य पुलिस बल मौजूद थे।

विद्यालय में मनाया गया फायर सेफ्टी वीक पर कार्यक्रम

पाकुड़ः (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। 14 अप्रैल से लेकर 20 अप्रैल तक फायर सेफ्टी वीक मनाया जा रहा है. जिसमें आज जिले के चकबलरामपुर स्थित एलिट पब्लिक स्कूल के प्रांगण में अग्निशामालय द्वारा मॉक ड्रिल आयोजन किया गया था। जिसमें सभी छात्र छात्राओं तथा शिक्षकों को आग से बचाव तथा सावधानियों के संबंध में डेमो दिखा कर जानकारी दी गई। छात्र-छात्राओं को बताया गया की आग लगने के बाद क्या करना है और क्या नहीं करना है सबसे पहले उन्होंने कहा कि आग लगने पर घबराना बिल्कुल भी नहीं है तथा आग को बुझाने के बारे में सोचना है उन्होंने फायर सेफ्टी ऑफिस का इमरजेंसी कॉल नंबर भी सभी को उपलब्ध कराया जो की इस प्रकार है 112, 9304953447, 9262998760, 9262998761. मौके परनिदेशक अरविंद साह तथा प्राचार्या अनुपमा साहा ने भी बच्चों से ना घबराने तथा सूझबूझ से काम करने की सलाह दी, वहां सभी शिक्षक एवं शिक्षिकाएं भी वहां मौजूद थे।

ग्रामीण ट्राफिक से परेशान, इस समस्या का कौन करेगा निदान

बड़कागांव/ (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। बड़कागांव प्रखंड में आए दिन आम जनता ट्राफिक समस्या से होते हैं परेशान इस समस्या का कौन है जिम्मेदार। जिला प्रशासन स्थानीय थाना एनटीपीसी त्रिवेणी सैनिक स्थानीय दुकानदार ट्राफिक समस्या से कब मिलेगा बड़कागांव जनता को निजात आए दिन ट्रैफिक की समस्या को लेकर कितने बार जिला प्रशासन अखबारों के माध्यम से इलेक्ट्रिक चैनल के माध्यम से युवा शाहिद उर्फ सोनू मांग करता रहा बड़कागांव प्रखंड में ट्रैफिक पुलिस को मुहैया कराया जाए। ताकि यहां की जनता को ट्राफिक समस्या से निजात मिल सके।आए दिन बड़कागांव मुख्य चौक में तीन रास्ता निकलती है जिसमें एक रास्ता हजारीबाग की ओर दूसरा रास्ता टंडवा की ओर तीसरा रास्ता बादाम की ओर यह तीनों रास्ता में ट्राफिक समस्या से जाम होने से काफी दिक्कत का सामना करना पड़ता है। स्थानीय जनता को साथ अगर जाम में एंबुलेंस आ जाए एंबुलेंस को भी निकलने में काफी दिक्कत का सामना करना पड़ता है इन सब ट्राफिक समस्या को लेकर युवा शाहिद उर्फ सोनू ने राज्यपाल मुख्य सचिव उपायुक्त मांग पत्र सौपते हुए जल्द से जल्द बाईपास रोड बनाया जाए बाईपास रोड बन जाने से यहां ट्राफिक समस्या से निजात मिल सकती है। त्रिवेणी सैनिक के एक बार में 5 बस आ जाने से पूरी तरह से रोड जाम हो जाती है जाम हो जाने के बाद दुकान के बाहर में जो मोटरसाइकिल लगे रहते हैं यह सभी जगह पर साथी ट्राफीक के समस्या पानी को मिलता है। मैं मांग करता हूं जिला प्रशासन से बड़कागांव मुख्य चौक में जल्द से जल्द समस्या से निजात मिल जाए यहां ट्रैफिक को देखकर हम सभी स्थानीय जनता बहुत ही परेशानी का सामना करना पड़ता है और त्रिवेणी सैनिक के द्वारा जो बस यह बस का रास्ता बदल दिया जाए जाने से एवं साथ में दुकानदार के सूचित किया जाए अपने अपने दुकान के बाहर में मोटरसाइकिल कहीं पर एक जगह पार्किंग में खड़ा करके आए अगर यह सब समस्या को लेकर ट्रैफिक पुलिस अगर काम करती है बड़कागांव जाम से निजात मिल सकता है।

संबंधित थानों में होगी शस्त्रों का सत्यापन : उपायुक्त

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़ः झारखंड राज्य अंतर्गत त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन 2022 की घोषणा की जा चुकी है अतः जिले में स्वच्छ भयमुक्त चुनाव संपन्न कराने एवं विधि व्यवस्था साधारण के दृष्टिकोण से सभी अनुज्ञप्तिधारियों के शस्त्रों का भौतिक सत्यापन किया जाना आवश्यक है। शस्त्र नियमावली 2016 के नियम 30 के तहत जिला के सभी शस्त्रधारियों को शस्त्र का भौतिक सत्यापन दिनांक 20 एव 21 अप्रैल 2022 को थाना में कराने हेतु तिथि निर्धारित किया गया है। शस्त्र की भौतिक सत्यापन हेतु निम्नांकित पदाधिकारियों को थानावार प्राधिकृत किया गया है। संबंधित थाना प्रभारी अपने-अपने क्षेत्र अंतर्गत निर्धारित तिथि के पूर्व सभी शस्त्र अनुज्ञप्तिधारियों को इसकी सूचना देंगे। सभी प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी संलग्न प्रपत्र में शस्त्र का सत्यापन प्रतिवेदन अनुमंडल पदाधिकारी जो इस कार्य हेतु नोडल पदाधिकारी नामित किया गया हैं, के माध्यम से विधि - व्यवस्था कोषांग को भेजना सुनिश्चित करेंगे। निर्धारित तिथि को शस्त्र का सत्यापन नहीं कराने वाले अनुज्ञप्तिधारियों के विरुद्ध शस्त्र नियमावली एवं भयमुक्त पंचायत चुनाव हेतु शस्त्र जमा कराने अनुज्ञप्ति निलंबित रद्द करने की कारवाई की जाएगी । पाकुड़ नगर थाना एवं पाकुड़ मुफस्सिल थाना/ मालपहाड़ी ओपी पाकुड़ थाना निर्धारित तिथि 20 अप्रैल एवं 21 अप्रैल 2022 पाकुड़ नगर थाना परिसर में शस्त्र का सत्यापन स्थल बनाया गया है। जिसका प्रतिनियुक्त दण्डाधिकारी आलोक वरण केसरी, अंचल अधिकारी पाकुड़ को बनाया गया है। हिरणपुर थाना निर्धारित तिथि 20 अप्रैल 2022 हिरणपुर थाना परिसर में शस्त्र का सत्यापन स्थल बनाया गया है। जिसका प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी मनोज कुमार, अंचल अधिकारी हिरणपुर को बनाया गया है। लिट्टीपाड़ा थाना निर्धारित तिथि 20 अप्रैल 2022 लिट्टीपाड़ा थाना परिसर में शस्त्र का सत्यापन स्थल बनाया गया है। जिसका प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी संजय कुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी, लिट्टीपाड़ा को बनाया गया है। अमडापाड़ा थाना निर्धारित तिथि 20 अप्रैल 2022 अमडापाड़ा थाना परिसर में शस्त्र का सत्यापन स्थल बनाया गया है। जिसका प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी कुमार दिवेश द्विवेदी, प्रखंड विकास पदाधिकारी अमडापाड़ा को बनाया गया है। रद्दीपुर थाना एवं महेशपुर थाना निर्धारित तिथि 20 अप्रैल 2022 महेशपुर थाना परिसर शस्त्र का सत्यापन स्थल बनाया गया है। जिसका प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी रितेश कुमार जयसवाल, अंचल अधिकारी महेशपुर को बनाया गया है। पाकुडिया थाना निर्धारित तिथि 20 अप्रैल 2022 पाकुडिया थाना परिसर शस्त्र का सत्यापन स्थल बनाया गया है। जिसका प्रतिनियुक्त दण्डाधिकारी किरण डांग, अंचल अधिकारी पाकुड़िया को बनाया गया है।

डीएवी विद्यालय मे बारहवीं के छात्रों को दी गई विदाई

पाकुड़ः (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। डीएवी पब्लिक स्कूल में सत्र 2021झ22 में अध्ययनरत कक्षा 12वीं के छात्र छात्राओं के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया। बच्चों द्वारा सर्वप्रथम वैदिक हवन का कार्यक्रम किया गया जिसमे 12वीं के सभी बच्चे शामिल हुए। तत्पश्चात विद्यालय के बहुउद्देशीय भवन में प्राचार्य एवं अन्य शिक्षकों द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। इस उपलक्षय में विद्यालय के अन्य छात्रों द्वारा संगीतमय सरस्वती वंदना का गायन किया गया। विद्यालय के प्राचार्य आशीष कुमार मंडल ने अपने आशीर्वचन में बताया कि यह बहुत भावुक दिन है जब हम 12वीं कक्षा के बच्चों के लिए विदाई समारोह का अयोजन कर रहे हैं। हमे आप सभी का उज्जवल भविष्य के लिए तैयार करने एवं आकार देने में कई वर्षों का लंबा समय लगा। आप बच्चे ही विद्यालय के शान होते हैं। आपसे हमारा हार्दिक जुड़ाव कितना गहरा होता है, यह आपको हमारी नम आंखें और भरे हुए दिल बताते हैं। वहीं उपप्राचार्य ललन कुमार ने छात्रों को कड़ी मेहनत के साथ लक्षय प्राप्त करने की प्रेरणा दी एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। बच्चों ने भी अपने अपने विचार प्रकट किए। इस अवसर पर सभी बच्चों एवं शिक्षकों की आंखे नम थी।

बिजली व्यवस्था को दुरुस्त को ले डीसी ने पावर ग्रिड का निरीक्षण कर निर्देश दिया

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़ः सोमवार को समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय कक्ष में उपायुक्त वरुण रंजन ने जिलें में बिजली व्यवस्था को दुरुस्त करने को लेकर बिजली विभाग के कार्यपालक अभियंता के साथ बैठक की। बैठक के बाद उपायुक्त ने गोकुलपुर स्थित पावर ग्रिड का निरीक्षण किया. बैठक में उपायुक्त ने कार्यपालक अभियंता से बिजली संबंधित जो समस्या थी उसकी जानकारी ली, उसके संबंध में उपायुक्त ने कार्यपालक अभियंता को जरूरी दिशा निर्देश दिया। उपायुक्त वरुण रंजन ने निरीक्षण के क्रम में मीडिया प्रतिनिधि को बताया कि बिजली विभाग के द्वारा लोड सेडिग का शेड्यूल बनाया जा रहा है, जिसको पब्लिक के बीच प्रकाशित किया जाएगा और पब्लिक के बीच सूचना रहेगा। साथ ही साथ पब्लिक के शिकायत हैंडल करने को लेकर बिजली विभाग को व्हाट्सएप ग्रुप बनाने का निर्देश दिया गया। बिजली संबंधित जो भी समस्या होगी उस ग्रुप में डाला जाएगा और समस्या को कितने समयों में हल किया जाएगा यह भी बतलाया जाएगा। इस अवसर पर विशेष कार्य पदाधिकारी रणवीर कुमार सिंह, एसएमपीओ पवन कुमार उपस्थित थे।

जिला स्तरीय कांग्रेस पदाधिकारी प्रतिनिधि सम्मेलन का आयोजन

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़ः सोमवार कांग्रेस भवन पाकुड़ में जिला संयोजक सुलतान अहमद के नेतृत्व में संगठन सशक्तिकरण अभियान के तहत जिला स्तरीय कांग्रेस पदाधिकारी प्रतिनिधि सम्मेलन का आयोजन किया गया. जिसमें सम्मेलन का मुख्य उद्देशय सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं को आम जनों तक पहुंचाना रहा। इसी क्रम में श्री अहमद ने संगठन को मजबूत बनाने पर बल दिया और कहा कि संगठन सर्वोपरि है। इससे ही हमारी पहचान है। पार्टी के हरेक कार्यकर्ता का साथ सहयोग और समर्पण ही हमारी ताकत है। इसी ताकत की बदौलत हम संगठन को मजबूती प्रदान करेंगे। सम्मेलन में जिलाध्यक्ष उदय लखमानी एवं जिला प्रभारी श्री बासुकी नाथ यादव तथा सह प्रभारी अशोक पासवान की उपस्थिति में मंच का संचालन अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष शाहीन परवेज ने किया। मौके पर कांग्रेस के कार्यकर्ता मौजूद थे।

कई जगह वर्षों से खराब पड़े जल मीनारों से होने लगी जलापूर्ति

- **पानी को लेकर बीडीओ के कड़े रुख के बाद हालात बदलने शुरू**

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़ः पाकुडिया प्रखंड के 90% सोलर चालित जल मीनार खराब सुचना के उपरांत बीडीओ मनोज कुमार ने त्वरित संज्ञान लेते हुए प्रखंड के सभी पंचायत सचिवों को अपने अपने पंचायत के अधीन 14 वें वित्त से निर्मित जल मीनारों को अविलंब प्राथमिकता देते हुए दो दिनों के अंदर चालू अवस्था में लाकर इसकी तस्वीर प्रखंड मुख्यालय में प्रतिवेदन सहित जमा कराने का कड़ा निर्देश दिया है। ज्ञात हो कि जलापूर्ति के लिए सरकार ने 14 वें वित्त की राशि से आपाधापी में निर्मित सोलर संचालित जलापूर्ति योजनाऐं येन केन प्रकारेण सभी 18 पंचायतों में जगह जगह तैयार तो करवा दिया। लेकिन दुर्भाग्य से इनमे से अधिकांश सोलर चलित पानी टंकी सह जलपूर्ति योजना फेल हो चुकी थी। इस योजना के तहत बनी 90 प्रतिशत जलटंकी योजना से एक बूंद भी पानी ग्रामीणों को नहीं मिल पा रहा था। लेकिन बीडीओ श्री कुमार के कड़े तेवर से फिजां बदली बदली सी नजर आने लगी है। साहब के एक ही डपट के उपरांत 6 माह से बंद पड़ा पाकुड़िया दुर्गा मंदिर सोलर वाटर टंकी से पानी लोगों को उपलब्ध होने लगा है। दरअसल जनता को पेयजल आपूर्ति के लिए खर्च की गई करोड़ों रुपयों की इस योजना से सैकड़ों लोगों को भी पेयजल उपलब्ध नही हो पा रहा था जिसकी शिकायत के उपरांत बीडीओ श्री कुमार ने कड़ा रुख अख्तियार किया जिसका परिणाम भी सरजमीन पर दिखने लगा है। सनद रहे कि चाहे पाकुड़िया प्रखंड मुख्यालय की बात हो या आदिवासी बहुल पंचायत फुलझिझरी के आलूदाहा गांव में लाखों की लागत से बनी यह योजना देखरेख के अभाव में जीर्णशीर्ण हो बंद पड़ी हुई थी जिसके दिन बहुरने के अब काफी उम्मीदें हैं और जनता को भी पानी मिलने की शत प्रतिशत उम्मीद है।

- **क्या कहते हैं प्रखंड विकास पदाधिकारी**

बीडीओ मनोज कुमार ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि प्रखंड के खराब पड़े जल मीनारों को दुरुस्त करने के लिए सभी पंचायत सचिवों को कड़ा निर्देश दे दिया गया है। ताकि प्रखंड वासियों को गर्मी में जल की कहीं भी कोई समस्या ना हो। अगर खराब जल मीनार ठीक नहीं हुआ तो पंचायत सचिवों पर सीधी कार्रवाई तय है।

प्रखंड स्तरीय प्रशिक्षण कार्य संपन्न कराने सभी प्रखंड मुख्यालय में सेसेशन साइट बनाए गए

पाकुड़ः (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। त्रिस्तरीय पंचायत (आम) निर्वाचन 2022 के सफल क्रियान्वयन हेतु कार्मिकों का प्रशिक्षण कार्य संपादित किए जा रहे हैं। जिला स्तरीय प्रशिक्षण ससमय संपन्न करा दिया गया है। प्रशिक्षण कोषांग द्वारा प्रखंड स्तरीय प्रशिक्षण कार्य संपन्न कराने हेतु विभिन्न प्रखंड मुख्यालय में सेसेशन साइट बनाए गए हैं। जहां चुनाव से संबंधित सभी गतिविधियों का प्रशिक्षण कार्मिकों को दिया जाएगा। इसके लिए मास्टर और सहायक मास्टर ट्रेनर प्रतिनियुक्त किए गए हैं। साथ ही साथ प्रशिक्षण कोषांग के वरीय व सहायक पदाधिकारियों द्वारा इसमें आवश्यक सहयोग दिया जा रहा है। 19-04- 2022 को पाकुड़ प्रखंड, हिरणपुर प्रखंड, लिट्टीपाड़ा, अमरापाडा, महेशपुर, पाकुड़िया 21- 04- 2022 को पाकुड़ प्रखंड में हिरणपुर, लिट्टीपाड़ा, आमरापाड़ा महेशपुर, पाकुड़िया प्रशिक्षण दिए जायेंगे। इस निर्धारित तिथि एवं समय अनुसार प्रखंड स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में सभी सरकारी कर्मी, अनुबंध कर्मी सहित भाग लेने हेतु अंचल और प्रखंड के वरीय पदाधिकारी इस कार्यक्रम में सभी को भेजना सुनिश्चित करेंगे।

बकायेदारों का जल्द से जल्द भुगतान किया जायेगा

पाकुड़ः (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। सोमवार को होटल मुस्कान में पंजाब स्टेट पावर कारपोरेशन लिमिटेड के अधिकारियों ने पूर्व के ट्रांसपोर्टर के साथ वार्ता हुई. ट्रांसपोर्टरों का कहना है कि हम सभी बकायेदारों का जल्द से जल्द भुगतान किया जाए, वही पंजाब स्टेट पावर कॉरपोरेशन के अधिकारी ने सभी ट्रांसपोर्टरों को आश्वस्त करते हुए कहा कि सभी बकायेदारों का जल्द भुगतान का काम शुरू कर दिया जाएगा. अधिकारियों ने कहा कमिटी बिल का जांच कर रही है जल्द दस दिनों में सभी का भुगतान का काम पूरा कर लिया जाएगा। सभी बकायेदार का भुगतान होगा, जिनका बिल सही होगा उनका भुगतान जरूर होगा। भुगतान के लिए डीसी कार्यालय में पैसा जमा करा दिया गया है। वार्ता में हाकिम मोमिन, मनोज भगत, राजा, झुनू सिंह, सरोज मंडल, पवन भगत, सितुल, उमेश, जयनारायण भगत मौजूद थे।

कोयला चोरी रोकने के लिए ट्रांसपोर्टरों ने डीसी और एसपी को दिया आवेदन

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़ः जिले में कोयला चोरी में बेतहाशा वृद्धि को लेकर सोमवार को बीजीआर कंपनी के ट्रांसपोर्टरों ने कोयला चोरी रोकने को लेकर डीसी और एसपी को आवेदन दिया। ट्रांसपोर्ट मनोज भगत, राहुल कुमार, संतोष भगत, ललन भगत, मोहम्मद राजा, राहुल कुमार सिंह, हाकिम मोमिन, पवन कुमार सहित सभी ट्रांसपोर्टरों ने कहा कि हम सभी ट्रांसपोर्टर बीजीआर कंपनी का कोयला नॉर्थ कोल ब्लॉक के विशनपुर से पाकुड़ रेलवे साइडिंग तक डंपर द्वारा ढोते हैं विगत कुछ दिनों से पचईबेड़ा से लेकर दुर्गापुर पाकुड़ तक कोयला चोरी में बेतहाशा वृद्धि हुई है. प्रत्येक गाड़ी से कम से कम 10 से 15 टन कोयला हर डंपर से उतारा जा रहा है. ऐसे परिस्थिति में हम सभी ट्रांसपोर्ट अपना डंपर बंद करने के सिवा और कोई उपाय नजर नहीं आ रहा है. हम सभी ट्रांसपोर्टरों का वाहन बैंक लोन के माध्यम से फाइनेंस पर लिया है. ऐसी परिस्थिति में हम लोगों का आर्थिक स्थिति दिन पर दिन खराब हो रही है. ट्रांसपोर्टरों ने डीसी एसपी से गुहार लगाते हुए कहा कि कोयला चोरी को अविलंब रोक लगाने की दिशा पर कार्रवाई किया जाए, जिससे हम सभी ट्रांसपोर्टर का गाड़ी व्यवस्थित ढंग से परिचालन कर सके.

स्वास्थ्य मेले का डीसी ने फीता काटकर किया उद्घाटन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

साहिबगंज। डीसी रामनिवास यादव की निर्देशानुसार जिले सभी प्रखंडों के सामुदायिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं सदर अस्पताल साहिबगंज में आयोजित किये जा रहे जिला स्वास्थ्य मेला का सोमवार को प्रथम दिन रहा जहां डीसी ने सदर अस्पताल में आयोजित किए गए इस स्वास्थ्य मेले का फीता काटकर उद्घाटन किया।

ज्ञात हो कि जिले के सभी 9 प्रखंडों में 18 अप्रैल से 22 अप्रैल तक लोगों को स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराने के उद्देश्य से एवं उनकी नियमित स्वास्थ्य जांच एवं परामर्श देने हेतु स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया जा रहा है।

डीसी ने स्वास्थ्य मेले के उद्घाटन के पश्चात स्वास्थ्य सेवाएं एवं जांच के उद्देश्य से बनाए गए विभिन्न स्टॉल का भी जायजा लिया।जहां उन्होंने उपस्थित कर्मियों से कहा कि ज्यादा से ज्यादा लोगों को इसका लाभ दें एवं कोई भी व्यक्ति अगर जांच के लिए आ रहा है तो उनका जांच करें एवं इस का सैंपल आगे भेजें।

वहीं उन्होंने कहा कि वैसे लोग जिनका उपचार किया जा सकता है,उन्हें अस्पताल एवं डॉक्टरों से टैग करें उनका उपचार भी कराएं।उन्होंने कहा कि आम बीमारियों हेतु स्टॉल में दवा उपलब्ध है तो निश्चित रूप से लोगों को दवा भी उपलब्ध कराएं।इसके अलावे डीसी ने बताया कि सदर अस्पताल में राज्य स्वास्थ्य मेला लगाया गया है तथा आने वाले दिनों में सभी प्रखंडों में इस मेले के दौरान प्रयास किया जाएगा कि ज्यादा से ज्यादा लोगों की स्वास्थ्य जांच हो एवं उन्हें स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाए।जांच के पश्चात लोगों में अगर किसी बीमारी का पता चलता है या वैसे लोग जिनमें किसी विशेष बीमारी के लक्षण दिखाई पड़ते हैं तो उनका उपचार कराना भी सुनिश्चित किया जाएगा।सदर अस्पताल में लगे स्वास्थ्य मिले के उद्घाटन के अवसर पर डीसी के अलावे सिविल सर्जन डॉ अरविंद कुमार, मलेरिया पदाधिकारी डॉ मोहन पासवान, एमओआईसी तालझारी डॉ रंजन,डॉ रणविजय अन्य चिकित्सकों के साथ स्वास्थ्य कर्मी आदि उपस्थित थे।

पहाड़ी नालों एवं नदियों, गंगा के पूर्णोधार हेतु नेशनल सेमिनार एवं गोष्टी का होगा आयोजन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

साहिबगंज। डीसी के निर्देशानुसार जिले में नदी एवं पर्यावरण संरक्षण हेतु नदी संवाद कार्यक्रम के तहत नेशनल एक्शन ओरिएंटेड प्रोग्राम सेमिनार सह व्याख्यान एवं गोष्ठी कार्यक्रम आयोजन किया जा रहा है। इसी के तहत सोमवार को डीसी रामनिवास यादव की अध्यक्षता में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की गई जहां मीडिया से बातचीत के क्रम में बताया गया कि उक्त कार्यक्रम जिला गंगा समिति के माध्यम से किया जाएगा।

इस सेमिनार का व्याख्यान कार्यक्रम में जल पुरुष के रूप में चर्चित डॉक्टर राजेंद्र सिंह, इंदिरा खुराना चेयर पर्सन इंडियन हिमालय रिवर बेसिन काउंसिल जल संरक्षण नदी संरक्षण पर्यावरण संरक्षण आदि के विशेषज्ञ विजय सिंह,बहादुर राम,अरविंद कुमार,मधुकर,संजय सिंह एवं अन्य आ रहे हैं जिनके द्वारा नदी संवाद कार्यक्रम में अपने अनुभव से साहिबगंज के निवासियों को अवगत कराते हुए नदी बचाओ जीवन बचाओ अभियान से लोगों को जोड़ने हेतु प्रेरित किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि 20 अप्रैल एवं 21 अप्रैल को जिले में राजमहल अनुमंडल एवं नगर परिषद क्षेत्र में पूर्वाहन 10 बजे से 5 बजे तक यह कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।जहां राजमहल टाउन हॉल एवं साहेबगंज के टाउन हॉल में उक्त कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

बातचीत के क्रम में डीसी ने बताया कि इस नेशनल स्तरीय सेमिनार का विषय पहाड़ी नदियों नालों एवं झारखंड में गंगा नदी का पूर्णोधार होगा। इस नेशनल सेमिनार एवं गोष्टी में जल पुरुष राजेंद्र कुमार में राजस्थान एवं देश के कई इलाकों में पानी बचाने एवं नदी के पूर्णोधार से संबंधित गतिविधियां की गई है, वही चेयरमैन एवं अन्य अतिथियों द्वारा इस विषय पर व्यक्त करते हुए कई पेपर पब्लिश भी किए गए हैं इसी को लेकर राजमहल एवं साहिबगंज में सेमिनार एवं गोष्टी करते हुए वह अपने अनुभव साझा करेंगे।

इसी संबंध मे वन प्रमंडल पदाधिकारी मनीष तिवारी ने बताया कि साहिबगंज जिला की राजमहल पहाड़ियां और उत्तरवाहिनी गंगा के लिए प्रसिद्ध है, इसी पर फोकस करते हुए हम सेमिनार एवं गोष्टी आयोजित कर यह निष्कर्ष निकालने का प्रयास करेंगे कि किस प्रकार हम पहाड़ी नालों का पूर्णोधार कर सकते हैं, राजमहल की पहाड़ियों के बचाव के लिए क्या किया जा सकता है साथ ही अलग-अलग साइंटिस्ट के विचारों को संकलित कर एक बुकलेट बनाया भी बनाया जाएगा। इसके अलावा अतिथि गणों द्वारा क्षेत्र भ्रमण कर स्थिति का जायजा भी लिया जाएगा।

कांग्रेस का हुआ संवाद यात्रा सम्मेलन कार्यक्रम, शामिल हुई दीपिका पांडेय

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

साहिबगंज। जिला कांग्रेस कमिटी की ओर से सोमवार को शहर के होटल अभिनव श्री में अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के निर्देशानुसार संगठन सशक्तिकरण अभियान के तहत''संवाद यात्रा'' कार्यक्रम का किया गया। संवाद यात्रा सम्मेलन की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अनुकूल मिश्रा ने किया। बैठक में एआइसीसी की सचिव सह महगामा की विधायिका एवं साहेबगंज जिला की संयोजिका दीपिका पांडे सिंह एवं साहेबगंज जिला के समन्वयक जगधात्री झा शामिल हुए।

जिला के कांग्रेसी कार्यकर्ताओं के साथ संवाद स्थापित कर संगठन के मजबूती को लेकर मंत्रणा करने के लिए यह कार्यक्रम आहूत की गई है। कांग्रेसी कार्यकर्ताओं की परेशानियों एवं आम जनमानस के समस्याओं पर विस्तारपूर्वक विधायिका से कांग्रेसजनों ने विचार-विमर्श किया।मौके पर मुर्शाद अली,मो कलीमुद्दीन,अनिल ओझा, शशांक शेखर गुहा, सर×फराज़ आलम, मो सलाउद्दीन,मंगल पासवान,सद्दाम हुसैन,महेंद्र पासवान, देवेंद्र ठाकुर,प्रेम बबलू सोरेन,अनिता देवी, इखलाक नदीम,पूनम किरण चौरसिया, संतोष स्वर्णकार, बुलन्द अख्तर, अजय यादव, मुन्ना यादव, मो अल्ताफ हुसैन, आदित्य यादव, रंजीत यादव, अजफर अहमद, नयन कुमार,मिलन देवी, रूबी देवी, पूर्णिमा देवी, मो नासिम, परवेज आलम मौजूद थे।

स्कूल के होस्टल से भागे दोनों बच्चे वापस लौटे

- **कोरोना के कारण बच्चों का स्कूल में नहीं लग रहा है मन**
- **सीडब्लयूसी ने दोनों बच्चों को अभिभावकों के हवाले किया**

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। बेथल स्कूल के होस्टल से दीवार फांदकर भागे दोनों बच्चे मिल गये हैं। ये दोनों बच्चे स्कूल से भागकर रांची चले गये थे। सोमवार को दुमका चाइल्डलाईन की टीम ने दोनों बच्चों को बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) के समक्ष प्रस्तुत किया। इनमें से एक बच्चे का परिवार रानीश्वर और दूसरे का लातेहार का रहनेवाला है हलांकि दोनों ने दुमका के नकटी और आसपास में घर बना लिया है। समिति द्वारा दोनों बच्चों और उनके अभिभावकों का बयान दर्ज किया गया। अपने बयान में बच्चों ने बताया कि 15 अप्रैल को होस्टल की दीवार फांदकर वे स्कूल से भाग गये और इंटरसिटी ट्रेन में सवार होकर रांची चले गये। उनके पास 200 रुपये थे। जब सारे पैसे खत्म हो गये तो उनमें से एक बच्चे ने एक व्यक्ति के मोबाइल से अपनी मां को फोन किया और रांची में रहनेवाले अपने मौसेरे भाई का नंबर मांगा। मौसेरे भाई ने जब फोन नहीं उठाया तो वापस मां को फोन कर इसकी जानकारी दी। मां ने उसके मौसेरे भाई को फोन किया और उसने उस व्यक्ति से बच्चों का लोकेशन लेकर उन्हें खोज निकाला जिसके मोबाइल नंबर से बच्चों ने बात की थी। समिति को दिये अपने बयान में बच्चों ने कहा कि वे पढ़ना तो चाहते हैं पर होस्टल में नहीं रहना चाहते हैं बल्कि घर से स्कूल आना-जाना करने के लिए तैयार हैं। समिति ने दोनों बच्चों को उनके अभिभावाकों को सौंप दिया और उनकी अच्छी तरह से देखभाल करने का निर्देश दिया। समिति की बैठक में अध्यक्ष अमरेन्द्र कुमार, सदस्य रंजन कुमार सिन्हा, डा राज कुमार उपाध्याय, कुमारी विजय लक्ष्मी और नूतन बाला शामिल थे। अध्यक्ष अमरेन्द्र कुमार ने बताया कि इस मामले में स्कूल के शिक्षक से भी समिति ने बात की है। शिक्षक का कहना था कि यह घटना कोरोना का साइड इफेक्ट है। कोरोना के कारण दो साल तक स्कूल बंद रहने के कारण बच्चों का स्कूल में मन नहीं लग रहा है। यही कारण है कि दोनों बच्चे स्कूल के होस्टल से भाग गये।

शरारती तत्वों ने बारात के दौरान मस्जिद में फेंके पटाखे, पुलिस ने तीन लोगों को भेजा जेल

गिरिडीह/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। गावां थाना क्षेत्र के मालडा बाजार में स्थित जामा मस्जिद में शरारती तत्वों के द्वारा बारात के दौरान पटाखे फेंकने के आरोप में रविवार को गावां थाना पुलिस ने तीन लोगों को जेल दिया। मिली जानकारी के अनुसार शनिवार की देर रात गाजे बाजे के साथ एक बारात मालडा बाजार से होकर गुजर रही थी तभी कुछ असामाजिक तत्वों ने जामा मस्जिद को निशाना बनाते हुए उसके गुम्बद पर पटाखे फेंक दिए। जिसके बाद परिषर में मौजूद लोगों में अफरातफरी मच गई। बताया जाता है कि पूरी घटना को सीसीटीवी कैमरे में कैद कर लिया गया है। घटना के बाद माहौल को बिगड़ते देख गावां थाना को सूचना दी गयी। सूचना पाकर गावां थाना पुलिस तत्परता दिखाते हुए घटना स्थल पर पहुंची और त्वरित कार्यवाई करते हुए चार लोगों को हिरासत में ले लिया और बारात में प्रयोग किये जा रहे डीजे को भी जब्त कर लिया गया। रविवार की सुबह दोनों पक्षों के बुद्धिजीवियों को थाना में बुलाकर मामला सुलझाने का प्रयास किया गया लेकिन अंततः आरोपी तीन युवकों को जेल भेज दिया गया।

संक्षिप्त समाचार

उधवा में कदाचार मुक्त हुई मैट्रिक की परीक्षा

उधवा /झारखंड देखो/प्रतिनिधि। झारखंड अधिविद्य परिषद रांची द्वारा आयोजित मैट्रिक की परीक्षा सोमवार को उधवा प्रखंड के दो परीक्षा केन्द्रों में कड़ी सुरक्षा के बीच कदाचार मुक्त व शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई. संस्कृत विषय की परीक्षा में कुल 353 परीक्षार्थियों ने भाग लिया. जबकि 25 परीक्षार्थी परीक्षा में अनुपस्थित रहे. इस दौरान प्लस टू उच्च विद्यालय उधवा के केन्द्राधीक्षक अमीत मंडल ने बताया कि संस्कृत विषय की परीक्षा में कुल 188 में से 172 परीक्षार्थी शामिल हुए. जबकि 16 परीक्षार्थी परीक्षा में अनुपस्थित रहे. वहीं राजकीय मध्य विद्यालय उधवा के केन्द्राधीक्षक रोशन भगत ने बताया कि संस्कृत विषय की परीक्षा में कुल 190 में से 181 परीक्षार्थी शामिल हुए.जबकि 9 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे. परीक्षा केन्द्रों में पुलिस के जवान मौजूद थे. मौके पर नुसरत जहां,सगेनन हांसदा,नाईम अख्तर,रवि कुमार झा,अभिनाश कुमार,सकलदेव मंडल,ओमप्रकाश आर्य,युगल चंद्र झा,अनिल प्रमाणिक,अमर स्वर्णकार सहित अन्य शिक्षक मौजूद थे.

दो दिवसीय बाउलगान का शुभारंभ

उधवा /झारखंड देखो/प्रतिनिधि। उधवा प्रखंड के उत्तरी सरफराजगंज पंचायत अंतर्गत नौघरिया में दो दिवसीय आयोजित बाउलगान का शुभारंभ सोमवार को सामाजिक कार्यकर्ता विश्वजीत मंडल ने फीता काटकर किया. जानकारी के अनुसार नौघरिया में प्रत्येक वर्ष पहला बसाक से तीन दिवसीय 24 प्रहर लीला संकीर्तन व दो दिवसीय बाउलगान का आयोजन किया जाता है. प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष में भी कमेटी की ओर से दो दिवसीय बाउलगान का आयोजन किया गया है.सामाजिक कार्यकर्ता विश्वजीत मंडल ने फीता काटकर तथा नारियल फोड़कर दो दिवसीय बाउलगान का शुभारंभ किया. इस दौरान विश्वजीत मंडल ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम आयोजित करने से आपस में प्रेम बढ़ता है. उन्होंने इसके लिए कमेटी के सदस्यों का आभार जताया. मौके पर कमेटी अध्यक्ष धरनीधर दास,सचिव कुश किशोर मंडल,उपसचिव संजीब मंडल,उपाध्यक्ष ओमप्रकाश मंडल,सुवेश मंडल,राहुल मंडल सहित अन्य मौजूद थे.

नाबालिग किशोरी का अपहरण

उधव /झारखंड देखो/प्रतिनिधि। थाना क्षेत्र के पतौड़ा पंचायत अन्तर्गत गड़ाल्ली गांव के एक नाबालिग किशोरी का अपहरण का मामला सामने आया है. मामले को लेकर सोमवार को अपहृत किशोरी के पिता हाकिम शेख उर्फ काल्लू ने राधानगर थाना में लिखित आवेदन देकर अपने पुत्री के घर वापसी का गुहार लगाया है. किशोरी के पिता ने कहा कि बीते गुरुवार के रात से ही उनके पुत्री घर से लापता है. इसकी जानकारी शुक्रवार की सुबह मिला. जब एक अनजान लड़का के द्वारा उनके पुत्री को साथ में लेकर अलग अलग मोबाइल से फोन कर अपना नाम पता बार- बार अलग अलग बताया गया है. हालांकि अपहृणकर्ता ने अपना नाम मुरसलीम शेख बताया है.युवक अपना ठिकाना भी सही से नहीं बता रहे हैं.कभी पियारपुर तो कभी प्राणपुर बता रहे हैं.जिससे किशोरी के परिजन काफी चिंतित हैं.पुलिस छानबीन कर रही है.

सामाजिक सेवा पखवाडा कार्यक्रम के तहत स्थानीय निकाय कर्मियों को किया समानित

दुमका /झारखंड देखो/प्रतिनिधि। भारतीय जनता पार्टी के मीडिया प्रभारी पिन्टु अग्रवाल ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि भारतीय जनता पार्टी के सामाजिक सेवा पखवाडा के कार्यक्रम के तहत आज भारतीय जनता पार्टी द्वारा दुमका जिला के सभी प्रखंडो में प्रखंड अध्यक्ष की अगुवाई में आज सामाजिक सेवा पखवाडा मनाया गया श्री अग्रवाल ने कहा कि दुमका नगर कमेटी की ओर से महापुरुषों के प्रतिमा का साफ-सफाई किया गया जिसके तहत स्वामी विवेकानंद जी के प्रतिमा को साफ किया गया उसके बाद नगर परिषद कार्यालय के सामने पहुंचकर नगर के साफ सफाई करने वाले कर्मियों को फल देकर उन्हें सम्मानित करने का काम किया गया इस कार्यक्रम में जिलाय महामंत्री विवेकानंद राय मीडिया प्रभारी पिंटू अग्रवाल युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष रूपेश मंडल नगर अध्यक्ष पंकज वर्मा गोकुल बिहारी दीपक कुमार सिंह दीनानाथ सिंह राजेश वर्मा महेंद्र कुमार आदि कार्यकर्ता मौजूद थे ।

प्रखंड स्तरीय स्वास्थ्य मेला का आयोजन

बेंगाबाद/गिरिडीह/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत सोमवार को प्रखंड कार्यालय बेंगाबाद के प्रांगण में प्रखंड स्तरीय स्वास्थ्य मेला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में पहुंचे गिरीडीह सीएस डॉ एसपी. मिश्रा उन्होंने इस स्वास्थ्य मेला का फीता काटकर विधिवत उद्घाटन किया। जिसमें स्वास्थ्य विभाग से संबंधित से जितने भी सेवाएं सभी के अलग अलग स्टॉल लगाए गए थे। मौके पर मुख्य रूप से चिकित्सा प्रभारी डॉ सामर्थ्य सिन्हा, बेंगाबाद प्रखंड विकास पदाधिकारी मो क्युम अंसारी, बेंगाबाद अंचलाधिकारी कृष्णा कुमार मरांडी, डॉ महेश गुप्ता, डॉ अरशद हुसैन,डॉ आशीष शेखर समेत स्वास्थ्य विभाग के कर्मी व सहिया दीदी मौजूद थे।

जिप सदस्य क्षेत्र भाग संख्या 14 लिए मो तैयब ने किया नामांकन

गिरिडीह /झारखंड देखो/प्रतिनिधि। जिला के जमुआ प्रखंड अंतर्गत जिला परिषद क्षेत्र भाग संख्या 14 के लिए जिला परिषद सदस्य पद पर नया डीसी आफिस में डीआरडीए निदेशक आलोक कुमार के पास युवा नेता मो तैयब अंसारी ने सोमवार को पहला नामांकन करवाया । उनके साथ आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता कृष्ण मुरारी शर्मा भी साथ थे।

श्री तैयब अंसारी ने कहा अपने जिला परिषद क्षेत्र के सभी गांवों को विकास की मुख्य धारा से जोड़ने का काम करूँगा ।

डीडीसी की मौजूदगी में बैठक आयोजित

डुमरी/गिरिडीह /झारखंड देखो/प्रतिनिधि। प्रखंड सह अंचल कार्यालय सभागार में सोमवार को डीडीसी शशिभूषण मेहरा ने बीडीओ सोमनाथ बंकिरा सहित पंचायत सेवकों, रोजगार सेवकों,जेई एवं बीपीओ के साथ बैठक कर प्रखंड में संचालित विभिन्न योजनाओं की कार्य प्रगति की जानकारी लेते हुए उसे ससमय पूरा करने का निर्देश दिया साथ ही त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में सभी कर्मियों से अपनी अपनी ड्यूटी पूरी ईमानदारी एवं लगन से करने का निर्देश देते हुए कहा कि चुनाव में किसी भी कर्मी की लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। डीडीसी ने चुनाव से जुड़े हरेक कार्य एवं व्यवस्था दुरूस्त करने का निर्देश दिया।इस दौरान बीपीओ परमेन्द्र राय व मनीषा टुडू आदि सहित सभी कर्मी उपस्थित थे।

ओवरब्रिज निर्माण को लेकर ग्रामीणों ने सौंपा मांग पत्र

डुमरी/गिरिडीह /झारखंड देखो/प्रतिनिधि। चेगड़ो पंचायत अंतर्गत खुरजियो गांव के दर्जनों ग्रामीणों ने सोमवार को धनबाद गया रेलखंड के चैनल नंबर 325 के समीप ओवरब्रिज निर्माण की मांग को लेकर प्रदर्शन किया साथ ही मांग से संबंधित स्थानीय सांसद चन्द्र प्रकाश चौधरी के नाम हस्ताक्षरयुक्त एक आवेदन सांसद के करीबी सह स्थानीय युवा नेता प्रदीप मंडल को सौंप जनहित के इस मांग पर सार्थक

पहल करने की अपील की।मौके पर बिरेन्द्र यादव, ललिता देवी,मोहन यादव, रानी यादव, लालजी यादव, प्रियंका कुमारी, सुजीत यादव, मंजू देवी, संतोष यादव, अरूण यादव, मनोरमा देवी, विशाल यादव, विक्रम यादव, रेखा देवी, संगीता देवी,भीम यादव, मुरली दास, शिवशंकर यादव, रानी यादव, खुशबू यादव आदि दर्जनों ग्रामीण उपस्थित थे।

जंगल बचाने हेतु चलाया गया जागरूकता अभियान

गिरिडीह /झारखंड देखो/प्रतिनिधि। स्थानीय वन विभाग के अधिकारियों एवं कर्मियों द्वारा सोमवार को डुमरी वन प्रक्षेत्र के अंतर्गत भण्डारो, बेदपुर, भोक्ता मारनी, नागाबाद, राजाभीठा, ससारखो, नारो, भदवाडीह ग्राम के लगभग 200 ग्रामीणों एवं वन प्रबंधन समिति के सदस्यों के बीच जंगल बचाने हेतु एक जागरूकता अभियान चलाया गया। जिसमें लोगों को जंगल के बचाव एवं जंगल में आग लगने से होने वाले नुकसान के बारे में जानकारी देते हुए वन संरक्षण एवं जंगल में आग नहीं लगाने की अपील की।मौके पर संतोष रवानी, दिनेश रवानी, धोती राय, अशोक रज़क, महेश रवानी, डिलो तुरी, शिकरा टुडू, शुकर वासके, रमेश टुडू, शेखर पंडित, दुलारचंद पंडित, सुखलाल मण्डल आदि के साथ वनपाल सुमित सिंह चौधरी, वनपाल अमर कुमार विश्वकर्मा तथा वनकर्मी उपस्थित थे।

आग की घटनाओं को रोकने के लिए किया गया मॉक ड्रिल

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

साहिबगंज। अग्निकांडो में प्रत्येक वर्ष देश में अपार जन धन की हानि होती है।हम सभी सतर्क एवं जागरूक रखकर इस घटनाओं की कमी ला सकते हैं।आग की घटनाओं को रोकने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा 14 अप्रैल, 2022 से 20 अप्रैल, 2022 तक देश भर में अग्निशमन सेवा सप्ताह मनाया जा रहा है।इस उपलक्ष्य में सोमवार को उपायुक्त कार्यालय में डीसी राम निवास यादव को अग्निशमन कर्मियों द्वारा पीन फ्लैग लगाया गया।वहीं अग्निकांड से जिले को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से ज़िले के विभिन्न क्षेत्रों में अग्निशमन विभाग द्वारा विभिन्न चौक चौराहों, अस्पताल, बाजार ,मॉल में मॉक ड्रिल के माध्यम से आम लोगों को जागरूक किया जा रहा है।अग्निकांडो से बचाव हेतु लोगों के बीच विभिन्न जानकारियां साझा की गई एवं उन्हें जागरूक किया गया जिसमें मुख्य रुप से लोगों को आग लगने पर नजदीकी अग्निशामक को तुरंत खबर करने सोचने में विलंब ना करने, सायरन या घंटी बजती हुई अग्निशामक वाहनों को तुरंत रास्ता देने।जलती बीड़ी या सिगरेट के टुकड़ों को बिना अच्छी तरह बुझाए ना फेंकने, चूल्हे की गर्म राख को बिना ठंडा किए ने फेंकने, बच्चों को माचिस से न खेलने देने, रात में रोशनी हेतु ढिबरी का प्रयोग ना करने,घटनास्थल पर अग्निशमन दस्ते को पूर्ण सहयोग देने।पुआल का ढेर लगने से पहले उसे पूरी तरह सुखा लेने एवं ढेर लगाते समय बीच में बांस या लकड़ी का पुल रखने तथा ढेर लगने के बाद उसे निकाल देने,फूस के मकान की दीवारों पर मिट्टी एवं गोबर का लेप लगाने बिजली के शॉर्ट सर्किट से बचने हेतु इसका उचित रखरखाव करने,आवासीय भवनों कार्यालय होटलों कारखानों मनोरंजक स्थान पर आग से बचाव का समुचित प्रबंध करने। आतिशबाजी करते समय पूरी सावधानी बरतने, कुकिंग गैस यदि लीक कर रहा हो तो रेगुलेटर का नोब बंद करने सभी खिड़की एवं दरवाजे खोल देने निकटतम गैस एजेंसी अथवा नजदीकी अग्निशामक को तुरंत सूचना देने। बिजली के किसी भी स्विच को ऑफ या ऑन नहीं करने इससे व ढीला कपड़ा पहन कर खाना नहीं बनाने आदि के विषय में लोगों को जागरूक किया गया।उन्हें बताया गया कि इन सभी चीजों से आग लगने की स्थिति पैदा हो सकती है जिससे उन्हें या उनके आस पड़ोस वालों को खतरा हो सकता है इसलिए उपचार से बेहतर है की अग्निकांड जैसी स्थिति ही ना पैदा होने दें एवं इससे पहले ही उसका सही प्रबंधन कर लें।अग्निशमन कर्मियों द्वारा डीसी को पीन फ्लैग लगाते लगाते समय अग्निशमन सेवा साहिबगंज के कार्यवाहक प्रभारी शिव शंकर यादव एवं प्रधान अग्नि चालक शिवकुमार प्रधान उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

अज्ञात चोरों ने डिक्की तोड़ 49 हजार नक्दी समेत चेकबुक, पासबुक, एटीएम कार्ड किया साफ

बेंगाबाद/गिरिडीह /झारखंड देखो/प्रतिनिधि। सोमवार की दोपहर बेंगाबाद मुख्य बाजार से डिक्की तोड़ अज्ञात चोरों ने रू 49000 नगद लेकर फरार हो गए। हरिला निवासी मो मंसूर ने बताया कि वह बेंगाबाद मुख्य बाजार स्थित स्टेट बैंक ऑफ इंडिया से रू 49000 की निकासी कर डिक्की में रखा था। वहीं एक दुकान में रुक कर नास्ता करने व पानी पीने के लिए पहुंचा था। इसी बीच अज्ञात चोरों ने गाड़ी की डिक्की का लॉक तोड़कर डिक्की में रखे रू 49000 नगद, पासबुक, चेकबुक व एटीएम कार्ड चुरा लिया। वहीं भुक्तभोगी को थोड़ी देर बाद इस बात की जानकारी हुई। जब चलते वक्त उसकी डिक्की की आवाज सुनाई देने लगा। उसने देखा तो उनकी डिक्की की लॉक टूटी हुई थी और पैसा वहां से गायब था उन्होंने बेंगाबाद पुलिस को सूचना दे दी है और मदद की गुहार लगाई है।

9 सदस्यी भाषा विशेषज्ञ संयोजक मंडली गठित

रांची /झारखंड देखो/प्रतिनिधि। सोमवार को रांची स्थित बगीचा नामकुम में झारखंड समन्वय समिति की ओर से 18 -19 अप्रैल को दो दिवसीय कार्यशाला झारखंड के नीति निर्धारण विषयक चिंतन मंथन शिविर शिविर में चिंतन मंथन के बाद 9 भाषाओं के विशेषज्ञों की सो जाओ पर झारखंड साहित्य अकादमी का गठन किया गया । जिसमें मुख्य संरक्षक के रूप में पूर्व शिक्षा मंत्री गीताश्री उरांव तथा पूर्व विधायक सूर्य सिंह बेसरा को मुख्य संयोजक मनोनीत किया गया । इसके अलावे 9 झारखंडी भाषाओं के विशेषज्ञों को मिलाकर संयोजक मंडली बनाई गई है जो निम्न प्रकार है ,नागपुरी से डॉ शकुंतला डॉक्टर सविता केसरी खोरठा से डॉक्टर अजय कुमार डॉक्टर कंचन बर्नवाल , हो भाषा से डॉक्टर लक्ष्मी पिंगुआ प्रो सेवित देवगम, प्रो सरस्वती गगराई, कुरमाली से प्रोफ़ेसर जयंती कुमारी प्रोफ़ेसर नीलू कुमारी संताली से डॉ गणेश मुर्मू और रविंद्र नाथ मुर्मू ।सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आगामी 28 जून को रांची स्थित जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग में एक दिवसीय सेमिनार आयोजित किया जाएगा ।

टाटीझरिया के कोल्हू में गौरी शंकर मंदिर निर्माण को लेकर कमेटी का गठन

टाटीझरिया (हजारीबाग)। प्रखंड के कोल्हू में गौरी शंकर मंदिर निर्माण के लिए कमेटी का गठन किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि मंदिर का निर्माण कमेटी की निगरानी में संपन्न होगा। ग्रामीणों ने गौरी शंकर की भव्य मंदिर निर्माण का संकल्प लिया। इसके लिए कमेटी का गठन किया गया। इसमें सर्वसम्मति से संतोष मंडल को अध्यक्ष, जगदेव प्रसाद को जगदेव प्रसाद, विरेंद्र प्रसाद सचिव, मुकेश मंडल को उपसचिव, प्रकाश प्रसाद को कोषाध्यक्ष, राजेश रजक को उपकोषाध्यक्ष, व्यवस्थापक अशोक प्रसाद, उपव्यवस्थापक शंकर प्रसाद और सदस्य में दिलीप प्रसाद, बासुदेव प्रसाद, शिवनारायण प्रसाद, अमृत प्रसाद, कोल्हा महतो, चिंतामन महतो, सुजीत प्रसाद बनाए गए हैं। कमेटी के पदाधिकारी व सदस्यों ने कहा कि मंदिर निर्माण के लिए इलाके के लोग दृढसंकल्पित हैं। उन्होंने कहा कि इस इलाके के लोगों की प्रबल इच्छा है कि कोल्हू में गौरी शंकर मंदिर का भव्य निर्माण हो। इससे लोग बाहर से यहां आकर मंदिर का दर्शन करें। मंदिर निर्माण होने से लोगों के लिए यह दार्शनिक स्थल बन जाएगा। बैठक में आस-पास के इलाके के लोगों शामिल हुए। सभी ने मंदिर निर्माण के प्रति एकजुटता का संकल्प लिया।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव 2022 के मद्देनजर प्रतिनियुक्त निर्वाची एवं सहायक निर्वाची पदाधिकारियों को चुनाव संबंधी प्रशिक्षण का आयोजन

हजारीबाग। हजारीबाग जिला अंतर्गत त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव 2022 के लिए आज समाहरणालय सभागार में प्रतिनियुक्त निर्वाची एवं सहायक निर्वाची पदाधिकारी को प्रशिक्षण कोषांग के नोडल पदाधिकारी-सह-भू अर्जन पदाधिकारी विनोद कुमार के द्वारा चुनाव संबंधी प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान मतदान कर्मियों द्वारा सामान्य व्यवहार के साथ-साथ मतदान कार्य कराने की तैयारी और निष्पक्ष मतदान कराने के तरीके और मतदान कार्य बाद के कार्य के संबंध में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई।

एसी, एसडीओ, सीओ, बीडीओ हैं निर्वाची पदाधिकारी त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के लिए अलग अलग पदों के लिए अलग अलग निर्वाची पदाधिकारी नामित हैं, जो इस प्रशिक्षण में शामिल थे। जिला परिषद सदस्य के लिए अपर समाहर्ता, पंचायत समिति सदस्य के एसडीओ, मुखिया के लिए अंचल अधिकारी तथा वार्ड सदस्य के लिए प्रखंड विकास पदाधिकारियों को निर्वाची पदाधिकारी बनाया गया है।

प्रशिक्षण में अपर समाहर्ता राकेश रोशन, बरही अनुमंडल पदाधिकारी पूनम कुजूर,उप निर्वाचन पदाधिकारी सुनील कुमार सिंह , बीडीओ/सीओ व अन्य उपस्थित थे।

कांग्रेस ने किया जिला स्तरीय संवाद कार्यक्रम

कार्यकर्ताओ को ज्यादा मजबूती प्रदान करने की आवश्यकता: प्रदीप

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका । कांग्रेस भवन कार्यलय में जिला महासचिव महेशराम चंद्रवंशी के अध्यक्षता में जिला स्तरीय संवाद कार्यक्रम सम्पन हुआ ।जिसमे दुमका के सभी प्रखंडो के अध्यक्ष एंव अन्य सभी कार्यकर्ता की उपस्थिति में अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी से नियुक्त संवाद कार्यक्रम के प्रभारी मणिशंकर , विधायक पोडैयाहाट प्रदीप यादव , जिला समन्वयक अशोक वर्मा , सह संयोजक अवधेश प्रजापति सभी कार्यकर्ताओ के साथ संवाद हुआ सभी कार्यकर्ताओ ने अपने दिल की बात खुलकर सामने रखी है।आज के संवाद के जबाब में विधायक प्रदीप यादव ने कहा कि आज जहाँ भी कांग्रेस के कार्यकर्ता है वो अटल है ,और अटल विश्वास है अपने कांग्रेस की निति रीति पर की वो देश में एक बार पुन बाहर लेकर आएगी।कार्यकर्ताओ को आज ज्यादा मजबूती प्रदान करने की आवश्यकता है क्यों की आज भाजपा ने देश की एकता-अखंडता को खतरे में पहुचा दिया।भाजपा ने आज देश की विरासत को बर्वाद करने का काम किया है और कांग्रेस पार्टी आज देश को बचाने के लिए कृतसंकल्प है ।और इसे पुरा करने के लिए हर काँग्रसी को बलिदानी देनी होगी।कांग्रेस देश को जड़ने वाली पार्टी है और धर्मनिरपेक्ष जो हमारी संस्कृति रही है हमारा संविधान हमारा मान सम्मान है ।उसकी भावना को सुरक्षित रखने की आवश्यकता है ।आज मंहगाई अपने चरम पर,बेरोजगारी चरम पर है।युवा वर्ग ,मध्यम वर्ग आज परेशान है अगर यही हालत रही तो आने वाले समय में हमारे देश का हालत श्रीलंका से भी बदतर हो जायेगा।केंद्र सरकार के मुखिया मोदी जी ने मंहगाई कम करने का वादा किया था अब वो मंहगाई मे हम विश्व में प्रथम स्थान प्राप्त कर रहे हैं।आज पूरी सरकार चुप बैठी है और देश को अन्य मुद्दों में बरगलाने का काम कर रही है।कार्यकर्ताओ को हर समय मजबूत बनाने का काम किया जायेगा।बूथ,पंचायत ,प्रखंड स्तर पर संवाद किया जायेगा और कार्यकर्ताओ को ससक्त कर पार्टी को मजबूत किया जायेगा । जिला के संयोजक मणिशंकर आज एक एक कार्यकर्ताओ के भावना आदर किया जायेगा और पूरी भावना से शीर्ष नेतृत्व को अवगत कराया जायेगा और आपकी हर संशय दूर की जाएगी,आप निर्भीक होकर जनता के हित में कार्य करे।देश की प्रथम सरकार है झारखंड सरकार जो सभी 60 साल से ऊपर सभी वृद्धों को पेंशन दी जा रही है ,हरा राशन कार्ड,कृषी ऋण माफी हर तरह का काम किया गया और नये ऋण दिया जा रहा है। आगामी 24अप्रैल को सभी प्रखंड में संवाद कार्यक्रम आयोजित की जायेगी

कार्यक्रम में मुख्य रूप से सह संयोजक अवधेश प्रजापति, अशोक वर्मा, जिला महासचिव प्रो मनोज अंबस्ट , संजीत सिंह, प्रेम कुमार साह, रामदिवास जायसवाल, बिनोद यादव मतीन अंसारी, बालमुकुंद यादव, कुंदन पत्रलेख, सत्यनारायण यादव, रोहित रंजन, कृष्णा नंद झा, अली इमाम टिंकू अरबी खातून, रोमी इमाम, राजा मरांडी, कुंदन यादव, विलियम टुडू, राजीव जायसवाल, वारिश मुर्मू, शयामसुंदर मोदी सुबोध मंडल, संजय सेबेटिन मरांडी ममता देवी, पोलोस मुर्मू, महबूब अलम, युगल किशोर सिंह गणेश, लालू यादव, दीपक यादव, अशोक यादव, महबूब अंसारी, सुबोध मंडल, सुनील कि स्कू खुर्सिद आलम मानिक महतो, अंजिला मुर्मू सहरोज सेख, कैलाश यादव, प्रभात जायसवाल साधुसारी देवी, नरेश यादव मौजूद थे।

अवैध विस्फोटक सामग्रियों के आयात पर अंकुश लगाना आवश्यक: श्याम

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। त्रिस्तरीय पंचायत आम चुनाव के प्रथम चरण में गोपीकांदर, रामगढ़ काठीकुंड एवं शिकारीपाड़ा प्रखंड में 14 मई को मतदान होना है जिसका परिणाम 17 मई को घोषित किया जाएगा।नामांकन की प्रक्रिया 16 अप्रैल से शुरू हो गई है।बताते चलें कि प्रथम चरण में दुमका के जिन चार प्रखंडों में चुनाव होना है उसमें से तीन शिकारीपाड़ा, गोपीकांदर एवं काठीकुंड नक्सल प्रभावित क्षेत्र है।सुरक्षा के मद्देनजर इन तीन प्रखंडों में जिला प्रशासन ने तैयारी लगभग पूरी कर ली है।इनमें से एक प्रखंड शिकारीपाड़ा पत्थर औधौगिक क्षेत्र है।यहां पत्थर की अवैध खदानों में अवैध बारुद का इस्तेमाल किया जाता है।मामले को लेकर मलूटी पंचायत के पूर्व मुखिया सह भाजपा नेता श्याम मरांडी ने बताया कि यहां के अवैध खदानों में प्रतिदिन पश्चिम बंगाल से अवैध जिलेटिन डेटोनेटर एवं अन्य विस्फोटक सामग्री आ रही है,जिसपर रोक लगाना अत्यंत ही आवश्यक है।ज्ञात हो कि लोकसभा चुनाव 2014 में हुई घटना से सीख लेते हुए यदि अवैध विस्फोटक सामग्रियों पर रोक नहीं लगाई गई तो सुरक्षा पर कभी भी प्रश्न खड़ा हो सकता है। प्रतिदिन पश्चिम बंगाल से मलूटी, आसन बनी ,आम चूआ, शहरपुर,बांस पहाड़ी एवं दलदली के रास्ते भारी मात्रा में अवैध पत्थर खदानों में विस्फोट के नाम पर जिलेटिन डेटोनेटर अमोनियम नाइट्रेट का आयात किया जाता है जिसका उपयोग काफी आसानी से असामाजिक तत्व कर सकते हैं। लोकसभा चुनाव 2014 में थाना क्षेत्र के पलासी में हुई घटना का बारीकी से अवलोकन किया जाए तो विस्फोटक सामग्रीओं से ही विस्फोट कर पुलिया को उड़ाया गया था जिसमें काफी संख्या में पुलिस एवं मतदान कर्मी शहीद हो गए थे। समय रहते प्रशासन को त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव संपन्न होने तक अवैध विस्फोटकों के आयात पर रोक लगाना चाहिए जो काफी आवश्यक प्रतीत होता है।

बिस्किट लदे पिकअप वेन ने सड़क पार कर रही बच्ची को मारी टक्कर

- **पुलिस ने पिकअप को किया जप्त**

गिरिडीह/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। गिरिडीह- बेंगाबाद मुख्य मार्ग छाताबाद समीप सड़क पार कर रही बच्ची को बिस्किट लदे पिकअप वैन ने मारी टक्कर बच्ची हुई घायल आनन फानन में परिजनों ने लाया प्राइवेट क्लिनिक जहाँ बच्ची का चल रहा है ईलाज।घायल बच्ची की पहचान थाना क्षेत्र के छाताबाद निवासी मथुरा पासी की छः वर्षीय बेटी रानी कुमारी है। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना बेंगाबाद पुलिस को दी घटनास्थल पर पहुंच कर पिकअप वैन को जप्त कर थाना लाया गया है बताया जा रहा है पिकअप वेन में ओवरलोड था जिसकी जाँच पड़ताल किया जा रहा है

गोमिया थाने में दो कोयला लदा ट्रक जलकर राख, 2014 में किया गया था जब्त

बेरमो। बेरमो अनुमंडल के गोमिया थाना में रखा दो कोयला लदा ट्रक जल गया. जिसकी वजह से उस पर रखा कोयला जलकर राख हो गया. यह घटना सोमवार अहले सुबह 4 बजे की है. जिसके बाद घटना की सूचना आईएल और तेनुघाट के फायर ब्रिगेड को दी गयी. मौके पर फायर ब्रिगेड की गाड़ी पहुंची और आग को बुझाने में लग गयी. आग की लपटें इतनी तेज थी कि इसे बुझाने में करीब चार घंटे लग गये.आग कैसे लगी इसकी जानकारी अबतक नहीं मिल पायी।

इस संबंध में गोमिया थाना प्रभारी आशीष खाखा ने बताया कि दोनों ट्रक को 2014 में जब्त किया था. आशीष खाखा ने कहा कि आग कैसे लगी है, इसकी पुख्ता जानकारी अब तक नहीं मिल पायी है. हालांकि अनुमान जताया जा रहा है कि पटाखे की चिंगारी से आग लगी है. क्योंकि रविवार की रात को थाना के बगल में एक शादी समारोह थी. जिसमें लोग पटाखे छोड़ रहे थे. शायद उसकी चिंगारी से भी आग लगी हो.

- **बड़ी मशक्कत के बाद आग पर पाया गया काबू-**

आशीष खाखा ने बताया कि सुबह करीब चार बजे दोनों ट्रकों में आग लगते हुए देखा गया. उन्होंने कहा कि आग की लपटें इतनी तेज थी कि आसपास रखे जप्त ट्रकों में भी आग लगने की संभावना थी. लेकिन फायर ब्रिगेड के कर्मियों ने बड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाने में कामयाब हुए।

ग्रामीण ट्राफिक से परेशान, इस समस्या का कौन करेगा निदान

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

बड़कागांव। बड़कागांव प्रखंड में आए दिन आम जनता ट्राफिक समस्या से होते हैं परेशान इस समस्या का कौन है जिम्मेदार। जिला प्रशासन स्थानीय थाना एनटीपीसी त्रिवेणी सैनिक स्थानीय दुकानदार ट्राफिक समस्या से कब मिलेगा बड़कागांव जनता को निजात आए दिन ट्रैफिक की समस्या को लेकर कितने बार जिला प्रशासन अखबारों के माध्यम से इलेक्ट्रिक चैनल के माध्यम से युवा शाहिद उर्फ सोनू मांग करता रहा बड़कागांव प्रखंड में ट्रैफिक पुलिस को मुहैया कराया जाए। ताकि यहां की जनता को ट्राफिक समस्या से निजात मिल सके।आए दिन बड़कागांव मुख्य चौक में तीन रास्ता निकलती है जिसमें एक रास्ता हजारीबाग की ओर दूसरा रास्ता टंडवा की ओर तीसरा रास्ता बादाम की ओर यह तीनों रास्ता में ट्राफिक समस्या से जाम होने से काफी दिक्कत का सामना करना पड़ता है। स्थानीय जनता को साथ अगर जाम में एंबुलेंस आ जाए एंबुलेंस को भी निकलने में काफी दिक्कत का सामना करना पड़ता है इन सब ट्राफिक समस्या को लेकर युवा शाहिद उर्फ सोनू ने राज्यपाल मुख्य सचिव उपायुक्त मांग पत्र सौपते हुए जल्द से जल्द बाईपास रोड बनाया जाए बाईपास रोड बन जाने से यहां ट्राफिक समस्या से निजात मिल सकती है। त्रिवेणी सैनिक के एक बार में 5 बस आ जाने से पूरी तरह से रोड जाम हो जाती है जाम हो जाने के बाद दुकान के बाहर में जो मोटरसाइकिल लगे रहते हैं यह सभी जगह पर साथी ट्राफीक के समस्या पानी को मिलता है। मैं मांग करता हूं जिला प्रशासन से बड़कागांव मुख्य चौक में जल्द से जल्द समस्या से निजात मिल जाए यहां ट्रैफिक को देखकर हम सभी स्थानीय जनता बहुत ही परेशानी का सामना करना पड़ता है और त्रिवेणी सैनिक के द्वारा जो बस यह बस का रास्ता बदल दिया जाए जाने से एवं साथ में दुकानदार के सूचित किया जाए अपने अपने दुकान के बाहर में मोटरसाइकिल कहीं पर एक जगह पार्किंग में खड़ा करके आए अगर यह सब समस्या को लेकर ट्रैफिक पुलिस अगर काम करती है बड़कागांव जाम से निजात मिल सकता है।

बरकट्ठा में स्वास्थ्य मेला का आयोज़न

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

बरकट्ठा। प्रखण्ड मुख्यालय परिसर में सोमवार को स्वास्थ्य मेला का आयोज़न किया गया।मेला का विधिवत उद्घाटन सीओ श्रीकांत लाल मांझी,बीडीओ कृतिबाला लकड़ा एवं चिकित्सा प्रभारी डॉ0 रजनीकांत ने सयुंक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।स्वास्थ्य मेला में 16 काउंटर बनाए गए।जहा आयुर्वेद चिकित्सा, योगा, बीपी,शुगर ,टीभी,मलेरिया,नेत्र जांच के लिए अलग अलग काउंटर बने थे।वहीं कोविड टीकाकरण,कुष्ठ रोग ,आयुष्मान कार्ड के लिए,मरीजों के इलाज़ के लिए ओपीडी की भी ब्यवस्था के साथ रोगियों को निःशुल्क दवा वितरित किया गया।चिकित्सा प्रभारी ने बताया कि स्वास्थ्य मेला का मुख्य उद्देश्य लोगो को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना है।डा.निशांत बेक, डा.रतना रानी, डा. सचिन कुमार ,डा. कार्तिक उरांव, डा.जसीम, डा.फतमा, डा. अभिषेक, बीईईओ अशोक पॉल ,सोनी दास,बीपीएम रंजीत कुमार, बीडीएम भावेश सिंह,संजय कुमार, सुधीर कुमार, अनिल कुमार, प्रकाश पंडित पंडित, मिथलेश भारती, मनोज विश्वकर्मा, हिरालाल प्रसाद आदि स्वास्थ्य कर्मी व सहिया दीदी शामिल थे।

झारखंड भाषा खतियान संघर्ष समिति ने आयोजित किए रन फॉर खतियान 2 कार्यक्रम

- **सभी समर्थको ने अपनी मांगों को लेकर 17 किलोमीटर दौड़े**

बेरमो /फुसरो। झारखंड भाषा खतियान संघर्ष समिति के तत्वावधान में रविवार को रन फॉर खतियान 2 का आयोजन किया गया. जिसमें करगली गेट स्थित महात्मा गाँधी चौक से नावाडीह के विनोद बिहारी महतो चौक तक लगभग 18 किलोमीटर तक झारखंडी अपनी मांगों के समर्थन में दौडें. यहॉ सर्वप्रथम समिति के लोगो ने करगली गेट स्थित महात्मा गाँधी के प्रतिमा मे पुष्प अर्पित कर नमन किया. इसके बाद तिरंगा झंडा दिखा धावको को रवाना किया. इस दौरान पुराना बीडीओ ऑफिस व नावाडीह मे लगभग 105 फीट लंबे तिरंगे से खतियान धारी धावको को स्वागत किया गया. साथ ही लोगो ने धावको को पुष्प की वर्षा कर होषला बढाया. समिति के केंद्रिय अध्यक्ष निमाई महतो ने कहा कि 1932, खतियान आधारित स्थानीय नीति, नियोजन नीति, विस्थापित नीति, उद्योग नीति लागू करने को लेकर आंदोलन जारी रहेगा. समिति के सदस्य मनोज कुमार महतो उर्फ गोपी, कुणाल महतो व मुकेश कुमार रवि ने बताया कि रविवार सुबह-6 बजे करगली गेट स्थित महात्मा गाँधी चौक से लगभग सैकडो से अधिक युवा- युवतीयाँ हिस्सा लिया है. इस दौरान जगह-जगह दौड़ में शामिल युवाओं व युवतियो के स्वागत व सेवा को लेकर स्थानीय लोगों ने शिविर लगाया गया. इसमें पानी, गुड़, इलेक्ट्रोल फाउडर, तरबुज आदि का वितरण किया गया. साथ ही दौड़ में शामिल लोगों की देखरेख को लेकर समिति की ओर से एंबुलेंस व्यवस्था भी की गयी. वही समर्थको ने झारखंडी गानो पर रास्ते भर थिरके- नाचते सफर किये. इस आयोजित कार्यक्रम से पुरे क्षेत्र मे चर्चा का बिषय रहा. मौके पर बेरमो कोयलांचल क्षेत्र के सैकडो लोग शामिल रहे।

प्रशिक्षण में मतदान कर्मियों को दी गई कई अहम जानकारी

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। जिला निर्वाचन पदाधिकारी (पंचायत) सह उपायुक्त रविशंकर शुक्ला के निर्देश पर त्रिस्तरीय पंचायत के लिए सोमवार से मतदान कर्मियों का प्रशिक्षण शुरु हो गया है। 23 अप्रैल तक चार शिफ्टों में मतदान कर्मियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण की व्यवस्था इंडोर स्टेडियम और जिला पंचायती राज कार्यालय में की गई है जहां प्रशिक्षकों के माध्यम से प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इंडोर स्टेडियम में तकरीबन 250 तथा जिला पंचायती राज कार्यालय में लगभग 150 लोगों को प्रशिक्षण दिए जाने की व्यवस्था की गई है। सोमवार को इंडोर स्टेडियम में प्रशिक्षण कोषांग के प्रभारी पदाधिकारी सुधीर कुमार सिंह ने मतदान कर्मियों को कई महत्वपूर्ण जानकारियों से अवगत कराया। उन्होंने चुनाव को सफलतापूर्वक, निष्पक्ष एवं पारदर्शी रूप से संपन्न कराने के कई गुर भी सिखाए। उन्होंने कहा कि मतदान से संबंधित जो भी संशय उसे इस प्रशिक्षण सत्र में दूर कर लिया जाए। उन्होंने कहा कि त्रिस्तरीय पंचायत (आम) निर्वाचन में चार पदों पर चुनाव होना है। चार पदों के प्रत्याशियों के लिए मतदाता मतदान करेंगे। यह चुनाव ईवीएम नहीं बैलेट पेपर के माध्यम से कराया जाएगा। इसलिए मतदान के दौरान हर गतिविधियों पर पैनी निगाह रखने की जरूरत है। सभी पदों के लिए अलग-अलग रंगों का बैलेट पेपर होगा जिसे मतदाता एक बाक्स में डालेंगे।प्रशिक्षण के दौरान मतदान कर्मियों को मत पेटी के बारे में भी कई महत्वपूर्ण जानकारियां दी गई। कोषांग के प्रभारी पदाधिकारी मसूदी टुडू, रवि रंजन, शिव मंगल तिवारी द्वारा भी मतदान कर्मियों को कई जानकारी दी गयी तथा पंचायत चुनाव से संबंधित उनके सवालों का जवाब दिया गया। इस दौरान प्रशिक्षण कोषांग के उमा शंकर मंडल, ओम अनंत संजय, अभयकांत मिश्र, नीरज कुमार यादव, पिंकू कुमार, समीर कुमार, निरंजन प्रसाद साह उपस्थित थे।

संपादकीय

तेल पर लगाम

तेल और गैस की ऊंची कीमतों से जूझते दुनिया के प्रमुख तेल उपभोक्ता देशों ने पूरे तालमेल के साथ अपने भंडार से तेल की आपूर्ति बढ़ाने का फैसला किया है। अपनी तरह की इस पहली और अनोखी पहल का मकसद अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों को नीचे लाना है। ध्यान रहे, पिछले करीब एक साल में अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों में 50 फीसदी से ज्यादा बढ़ोतरी हो चुकी है। पिछले महीने यह तीन साल के शिखर 86 डॉलर प्रति बैरल को भी पार कर गया था। भारत और अमेरिका समेत तमाम तेल उपभोक्ता देश तेल निर्यातक देशों के समूह ओपेक (ऑर्गनाइजेशन ऑफ पेट्रोलियम एक्सपोर्टिंग कंट्रीज) से बार-बार तेल उत्पादन में मांग के अनुरूप बढ़ोतरी लाने का आग्रह कर रहे हैं, लेकिन वह इस पर ध्यान नहीं दे रहा है। ऐसे में अमेरिका, चीन, भारत, जापान, साउथ कोरिया, ब्रिटेन जैसे देशों ने अपने भंडारों से तेल की आपूर्ति बढ़ाने का फैसला किया है। गौर करने की बात है कि कोरोना महामारी के उथल-पुथल भरे इस दौर में एनर्जी मार्केट को असाधारण उतार-चढ़ावों से गुजरना पड़ा। लॉकडाउन जैसे कदमों के प्रभाव में एक समय उत्पादन संबंधी गतिविधियां ठप पड़ने से तेल की मांग में अभूतपूर्व कमी आ गई थी। उसके बाद धीरे-धीरे हालात बदले। लेकिन अब जब मांग महामारी से पहले के स्तर पर पहुंच रही है, तेल सप्लाई उस अनुपात में नहीं बढ़ रही, जिससे न केवल इन देशों में पेट्रोल और गैस के भाव आसमान छू रहे हैं बल्कि आम लोगों को कई अन्य समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। भारत में भी बेलगाम हो रही पेट्रोल की कीमतों को कुछ हद तक नियंत्रित करने के लिए एक्साइज ड्यूटी में कमी लानी पड़ी, जिससे सरकारी खजाने पर करीब 60,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ पड़ा। हालांकि, यह बात भी सच है कि भारत में हाल के वर्षों में इस पर एक्साइज ड्यूटी में काफी बढ़ोतरी हुई थी। असल में, तेल की ऊंची कीमतें न केवल महंगाई बढ़ा रही हैं बल्कि इस वजह से इकॉनमिक रिकवरी में भी मुश्किल हो रही है। अपने रिजर्व से तेल निकाल कर ओपेक देशों को उपयुक्त संदेश देने का यह फैसला इसी मजबूरी से निकला है। हालांकि चाहे भारत के 3.8 करोड़ बैरल के भंडार में से 50 लाख बैरल निकालने की बात हो या अमेरिका के 60 करोड़ बैरल के भंडार में से 5 करोड़ बैरल निकालने की, यह मात्रा इतनी कम है कि इसका कोई और अर्थ नहीं लिया जा सकता। निश्चित रूप से यह एक सांकेतिक कदम है। अब देखने वाली बात यह है कि ओपेक देश इसे किस रूप में लेते हैं। उनकी अगली बैठक 2 दिसंबर को होनी है जिसमें वे जनवरी के लिए अपनी उत्पादन योजना को अंतिम रूप देंगे। उम्मीद की जानी चाहिए कि ओपेक तेल उपभोक्ता देशों के इस कदम को सही संदर्भों में लेते हुए इस पर पॉजिटिव ढंग से रिएक्ट करेगा।

पिछले करीब एक साल में अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों में 50 फीसदी से ज्यादा बढ़ोतरी हो चुकी है। पिछले महीने यह तीन साल के शिखर 86 डॉलर प्रति बैरल को भी पार कर गया था।

कुछ अलग

भारत 'सेक्युलर' क्यों है

संविधान की प्रस्तावना में विदेशी 'सेक्युलर' शब्द को अधिसूचित हुए आगामी 18 दिसंबर को 45 वर्ष पूरे हो जाएंगे। इसी दिन 1976 को आपातकाल (1975-77) के समय, जब सभी नागरिक अधिकारों को कुचलकर विपक्षी-विरोधी नेताओं को जेल में ठूंसा जा रहा था- तब तत्कालीन इंदिरा सरकार द्वारा संसद से अलोकतांत्रिक रूप से पारित 42वें संविधान संशोधन को राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के पश्चात प्रस्तावना में जोड़ दिया गया था। स्वतंत्र भारत के इस दागदार घटनाक्रम ने संविधान में भारत के विवरण को 'संप्रभु लोकतांत्रिक गणराज्य' से परिवर्तित करके 'संप्रभु, समाजवादी सेक्युलर लोकतांत्रिक गणराज्य' कर दिया था। प्रश्न उठता है कि क्या इससे पहले भारत कभी 'सेक्युलर' नहीं था या 42वें संविधान संशोधन के बाद और अधिक 'सेक्युलर' हो गया है यदि राहुल गांधी की मानें, तो भारत में सांप्रदायिकता का प्रवेश मई 2014 के बाद हुआ था। क्या भारत केवल इसलिए 'सेक्युलर' है, क्योंकि 26 जनवरी, 1950 से देश में लागू संविधान के अनुच्छेद 15(1)- राज्य, किसी नागरिक के विरुद्ध केवल मजहब, मूलवंश, जाति, लिंग, जन्मस्थान या इनमें से किसी के आधार पर कोई विभेद नहीं करेगा- की भावना व्यक्त करता है क्या भारत में सेक्युलरवाद- संविधान के उन अनुच्छेदों (29-30 सहित) के कारण जीवंत है, जिसमें अल्पसंख्यकों को बहुसंख्यकों से ज्यादा अधिकार दिए गए हैं जब स्वतंत्रता-पूर्व भारत का 14 अगस्त, 1947 को विभाजन हुआ, जिसे मोदी सरकार ने इस वर्ष से 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' के रूप में मनाने का निर्णय किया है- तब देश का एक तिहाई हिस्सा, इस आधार पर काट लिया गया था कि मुसलमानों को अपनी संस्कृति, पहचान और मजहब की सुरक्षा हेतु अलग 'पाक-जमीन' चाहिए, जिसे हम आज इस्लामी गणराज्य- पाकिस्तान और बांग्लादेश के नाम से जानते हैं। तब होना तो यह चाहिए था कि खंडित भारत भी स्वयं को 'हिंदू-राज्य' घोषित करता। ऐसा नहीं हुआ और ऐसा नहीं होना स्वाभाविक भी था- क्योंकि हिंदू दर्शन या हिंदुत्व में पूजा-पद्धति और मजहब नितांत व्यक्तिगत विषय है, जिसका राज्य में कोई हस्तक्षेप नहीं होता। भारतीय इतिहास साक्षी है कि यहां जितने भी हिंदू राजा हुए, उन्होंने अपनी निजी आस्था और संबंधित परंपरा को न ही अपने प्रजा पर थोपा और न ही उसके अनुपालन के लिए उन्हें बाध्य और प्रताड़ित किया। सम्राट अशोक ही एकमात्र ऐसे अपवाद थे, जिन्होंने बौद्ध मतांतरण के पश्चात राज्य संसाधनों का उपयोग अपने नव-मत के प्रचार-प्रसार हेतु किया था। भारत अनादिकाल से आज के शब्दों में 'सेक्युलर' है- क्योंकि यहां के मूल हिंदू-दर्शन का आधार बहुलतावाद और समग्रता है। इसलिए जब दुनिया के कोनों से मजहबी अत्याचारों के कारण सीरियाई ईसाइयों, यहूदियों और पारसियों ने अपना उद्गमस्थल छोड़कर भारत में शरण ली, तब न केवल स्थानीय हिंदू-बौद्ध राजाओं और संबंधित प्रजा ने उनका स्वागत किया।

सम्राट अशोक ही एकमात्र ऐसे अपवाद थे, जिन्होंने बौद्ध मतांतरण के पश्चात राज्य संसाधनों का उपयोग अपने नव-मत के प्रचार-प्रसार हेतु किया था।

विचार

राज्य में 18 साल से ऊपर की सभी महिलाओं के खाते में हर महीने 1,000 रुपये डाले जाएंगे

भ्रष्टाचार के खिलाफ बिगुल बजाकर राजनीति में आये केजरीवाल खैरात बाँटने में लगे हैं

ललित गर्ग

पंजाब में आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देजनर आम आदमी पार्टी के नेता एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल पूरी ताकत लगा रहे हैं, मतदाताओं को लुभाने के लिये कई घोषणाएं कर रहे हैं, इन दिनों उनकी ऐसी ही एक घोषणा चर्चा का विषय बनी हुई है जिसमें उन्होंने एलान किया है कि यदि उनकी पार्टी की सरकार बनी, तो राज्य में 18 साल से ऊपर की सभी महिलाओं के खाते में हर महीने 1,000 रुपये डाले जाएंगे। बुजुर्ग महिलाओं को वृद्धा पेंशन के अतिरिक्त यह राशि मिलेगी। इस योजना को उन्होंने भले ही स्त्री सशक्तीकरण से जोड़ा है, लेकिन यह सीधे रूप में पंजाब की महिलाओं को अपने पक्ष में वोट डालने का प्रलोभन है, लोक-लुभावन घोषणा है। भ्रष्टाचार के खिलाफ बिगुल बजाकर भारतीय राजनीति में अपना सितारा आजमाने वाले अरविन्द केजरीवाल खैरात बांटने एवं मुफ्त की सुविधाओं की घोषणाएं करके चर्चित हो गये हैं। वैसे हर दल में मुफ्त बांटने की संस्कृति का प्रचलन बढ़ता ही जा रहा है। लोकतंत्र में इस तरह की बेतूकी एवं अतिश्योक्तिपूर्ण घोषणाएं एवं आश्वासन राजनीति को दूषित करते हैं, जो न केवल घातक है बल्कि एक बड़ी विसंगति का द्योतक हैं। किसी भी सत्तारुढ़ पार्टी को जनता की मेहनत की कमाई को लुटाने के लिये नहीं, बल्कि उसका जनहित एवं विकासमूलक कार्यों में उपयोग करने के लिये जिम्मेदारी दी जाती है। इस जिम्मेदारी का सम्यक् निर्वहन करके ही कोई भी सत्तारुढ़ पार्टी या उसके नेता सत्ता के काबिल बने रह सकते हैं। केजरीवाल की यह घोषणा अनेक सवालों को खड़ा करती है। क्या इस तरह की घोषणा से किसी तरह का बुनियादी विकास होता है? क्या यह लोकतंत्र की मूल भावना का हनन नहीं है? क्या पंजाब जैसे समृद्ध प्रांत में ऐसी घोषणा की अपेक्षा है? ऐसी कितनी महिलाएं वाकई इस तरह की राशि के लिये जरूरतमंद हैं? सवाल यह भी है कि 18 साल की सीमा क्यों? किसी लोक-कल्याणकारी योजना में एक से 18 साल की बच्चियों के साथ भेदभाव क्यों करना चाहिए? क्योंकि उनके पास वोट का अधिकार नहीं? चुनावी घोषणापत्रों में रेवड़ियां बांटने की प्रवृत्ति कब तक चलेगी? इन प्रश्नों के उत्तर तलाशना इसलिये जरूरी हो गया है कि सभी राजनीतिक दल विकास को भूल कर अब ऐसी खैरात बांटने एवं मुफ्त की संस्कृति को पनपाने में लगे हैं। यह कैसा लोकतांत्रिक ढांचा बन रहा है जिसमें पार्टियां अपनी सीमा से कहीं आगे बढ़कर लोक-लुभावन वादे करने लगी हैं, उसे किसी भी तरह से जनहित में नहीं कहा जा सकता। बेहिसाब लोक-लुभावन घोषणाएं और पूरे न हो सकने वाले आश्वासन पार्टियों को तात्कालिक लाभ तो जरूर पहुंचा सकते हैं, पर इससे देश के दीर्घकालिक सामाजिक और आर्थिक हालात पर प्रतिकूल असर पड़ने की भी आशंका है। इससे विकास योजनाओं के पंगु होने एवं जनता में मुफ्तखोरी की मानसिकता पांव पसारने लगी है। प्रश्न है कि राजनीतिक पार्टियां एवं राजनेता सत्ता के नशे में डूबकर इतने गैरजिम्मेवार एवं स्वार्थी कैसे हो सकते हैं? प्रश्न है कि क्या सार्वजनिक संसाधन किसी को बिल्कुल मुफ्त में उपलब्ध कराए जाने चाहिए? क्या जनधन को चाहे जैसे खर्च करने का सरकारों को अधिकार है? तब, जब सरकारें आर्थिक रूप से आरामदेह स्थिति में न हों। यह प्रवृत्ति राजनीतिक लाभ से प्रेरित तो है ही, सांस्थानिक विफलता को भी ढकती है, और इसे किसी एक पार्टी या सरकार तक सीमित नहीं रखा जा सकता। कोई सरकार कैंपेन चलाकर आम आदमी की गाढ़ी कमाई के करोड़ों रुपये यह बताने में खर्च कर देती हैं कि किस तरह उन्होंने देश को चमका दिया है। इस तरह का बड़बोलेपन एवं मुफ्त की संस्कृति को पढ़े-लिखे बेरोजगारों ने अपना अपमान समझा। कई बार सरकारों के पास इतने संसाधन नहीं होते कि वे अपने लोगों के अभाव, भूख, बेरोजगारी, प्रदूषण जैसी विपदाओं से बचा सकें। लेकिन जब उनके पास इन मूलभूत जनसमस्याओं के निदान के लिये धन नहीं होता है तो वे मुफ्त में सुविधाएं कैसे बांटते हैं? क्यों करोड़ों-अरबों रुपये अपने प्रचार-प्रसार में खर्च करते हैं? दक्षिण भारत में, खासकर तमिलनाडु से चली यह मुफ्त बांटने की परम्परा अब लगभग समूचे राष्ट्र में हावी है। अर्थव्यवस्था और राज्य की माली हालत को ताक पर रखकर लगभग सभी पार्टियों व सरकारों ने गहने, लैपटॉप, मंगलसूत्र, टीवी, स्मार्टफोन से लेकर चावल, दूध, घी तक बांटा है या बांटने का वादा किया है। यह मुफ्तखोरी की पराकाष्ठा है। मुफ्त दवा, मुफ्त जाँच, लगभग मुफ्त राशन, मुफ्त शिक्षा, मुफ्त विवाह, मुफ्त जमीन के पट्टे, मुफ्त मकान बनाने के पैसे, बच्चा पैदा करने पर पैसे, बच्चा पैदा नहीं (नसबंदी) करने पर पैसे, स्कूल में खाना मुफ्त, मुफ्त जैसी बिजली 200 रुपए महीना, मुफ्त तीर्थ यात्रा, मुफ्त पानी। जन्म से लेकर मृत्यु तक सब मुफ्त। मुफ्त बाँटने की होड़ मची है, फिर कोई काम क्यों करेगा? मुफ्त बांटने की संस्कृति से देश का विकास कैसे होगा? पिछले दस सालों से लेकर आगे बीस सालों में एक ऐसी पूरी पीढ़ी तैयार हो रही है या हमारे नेता ऐसी पीढ़ी निर्मित कर रहे हैं, जो पूर्णतया मुफ्त खोर होगी। अगर आप उनको काम करने को कहेंगे तो वे गाली देकर कहेंगे, कि सरकार क्या कर रही है? विडम्बना एवं विसंगति की हदें पार हो रही है। ये मुफ्त एवं खैरात कोई भी पार्टी अपने फंड से नहीं देती। टैक्स दाताओं का पैसा इस्तेमाल करती है। हम 'नागरिक नहीं परजीवी' तैयार कर रहे हैं। देश का टैक्स दाता अल्पसंख्यक वर्ग मुफ्त खोर बहुसंख्यक समाज को कब तक पालेगा? जब ये आर्थिक समीकरण फैल होगा तब ये मुफ्त खोर पीढ़ी बीस तीस साल की हो चुकी होगी। जिसने जीवन में कभी मेहनत की रोटी नहीं खाई होगी, वह हमेशा मुफ्त की खायेगा। नहीं मिलने पर, ये पीढ़ी नक्सली बन जाएगी, उग्रवादी बन जाएगी, पर काम नहीं कर पाएगी। यह कैसा समाज निर्मित कर रहे हैं? यह कैसी विसंगतिपूर्ण राजनीति है? राजनीति छोड़कर, गम्भीरता से चिंतन करने की जरूरत है। निश्चित रूप से पंजाब की गरीब महिलाओं को ऐसी किसी योजना से लाभ होगा, लेकिन प्रश्न है कि क्या पंजाब में सभी गरीब ही महिलाएं हैं? फिर अमीर एवं समृद्ध महिलाओं को ऐसी सहायता पहुंचाकर केजरीवालजी क्या जताना चाहते हैं? जैसा कि दिल्ली में प्रत्येक परिवार को हर महीने 200 इकाई तक मुफ्त बिजली और 20 हजार लीटर पानी के वादे ने दिल्ली के विकास को अवरुद्ध कर दिया है? सड़कें टूटी हैं, कोई नयी विकास योजना सामने नहीं आयी है। भले ही ऐसी स्थितियों से आम आदमी पार्टी ने लगातार दो चुनावों में शानदार सफलता हासिल की है। लेकिन उसने ऐसी परम्परा का सूत्रपात भी किया है कि उससे प्रेरित होकर उन प्रदेशों की राजनीतिक पार्टियों में भी हास्यास्पद स्तर तक मुफ्त सुविधाओं के वादे की होड़ लगने लगी है, जिन्हें आर्थिक रूप से बीमारू प्रदेशों में गिना जाता है। वर्तमान दौर की सत्ता लालसा की चिंगारी इतनी प्रस्फुटित हो चुकी है, सत्ता के रसोस्वादन के लिए जनता और व्यवस्था को पंगु बनाने की राजनीति चल रही है। राजनीतिक दलों की बही-खाते से सामाजिक सुधार, रोजगार, नये उद्यमों का सृजन, खेती को प्रोत्साहन, ग्रामीण जीवन के पुनरुत्थान की प्राथमिक जिम्मेवारियां नदारद हो चुकी है, बिना मेहंदी लगे ही हाथ पीले करने की फिराक में सभी राजनीतिक दल जुट चुके हैं। जनता को मुफ्तखोरी की लत से बचाने की जगह उसकी गिरफ्त में कर अपना राजनीतिक उल्लू सीधा करने में लगे हैं।

अरविंद केजरीवाल की यह घोषणा अनेक सवालों को खड़ा करती है। क्या इस तरह की घोषणा से किसी तरह का बुनियादी विकास होता है? क्या यह लोकतंत्र की मूल भावना का हनन नहीं है? क्या पंजाब जैसे समृद्ध प्रांत में ऐसी घोषणा की अपेक्षा है?

ब्लॉग

वर्ष 2014 में हुए विधानसभा चुनाव में इस समुदाय के आठ विधायक जीतकर आए थे

जनजाति को प्रतिनिधित्व देने की कवायद

जम्मू कश्मीर विधानसभा में अनुसूचित जनजाति कोटे की सीटें गुर्जर बकरवाल समुदाय के लिए आरक्षित करने की कवायद ने ठंड के मौसम में इस केंद्र शासित प्रदेश का सियासी पारा चढ़ा दिया है। अनुच्छेद 370 हटने के बाद पहली बार जम्मू-कश्मीर आए गृहमंत्री अमित शाह से जब गुर्जर बकरवाल समुदाय का प्रतिनिधिमंडल मिला, तो उन्होंने इसकी ओर साफ इशारा किया। हालांकि इसका पहला संकेत भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सितंबर 2019 में ठाणे में आयोजित एक कार्यक्रम में दे दिया था। केंद्र सरकार साफ कर चुकी है कि जम्मू-कश्मीर में विधानसभा के चुनाव परिसीमन प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही होंगे। संकेत हैं कि परिसीमन के बाद 90 में से कम से कम 11 सीटें अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित हो जाएंगी। इन 11 सीटों में से एक-एक सीट शीना और गद्दी जनजातियों के खाते में जाने के बाद बाकी बची नौ सीटें गुर्जर बकरवाल के लिए आरक्षित होने का अनुमान है। वर्ष 2014 में हुए विधानसभा चुनाव में इस समुदाय के आठ विधायक जीतकर आए थे। इसमें पांच पुंछ-राजौरी से, दो रियासी और एक गांदरबल जिलों से थे। वैसे तो इस समुदाय को अनुसूचित जनजाति का दर्जा 1991 में ही मिल गया था, पर उसे इस नाते मिलने वाले पूरे अधिकार नहीं मिले। नौकरियों में 10 फीसदी पद आरक्षित किए गए, मगर शिक्षण संस्थानों में दाखिले के लिए कहीं दो, तो कहीं पांच फीसदी ही आरक्षण दिया गया। राजनीतिक आरक्षण से इन्हें पूरी तरह वंचित रखा गया। केंद्र सरकार द्वारा बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने की शुरुआत से पूरे देश के आदिवासी अपने अधिकारों की प्राप्ति के लिए आश्वस्त दिख रहे हैं। भारत के विभिन्न राज्यों में इस समुदाय को अलग-अलग तरह का आरक्षण प्राप्त है। राजस्थान, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और गुजरात में अन्य पिछड़ा वर्ग और हिमाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों में इसे अनुसूचित जनजाति का दर्जा प्राप्त है। मवेशियों और परिवार के साथ दुर्गम पर्वतीय क्षेत्रों में विचरने वाले गुर्जर बकरवाल नियंत्रण रेखा व अन्य दुर्गम क्षेत्रों के चप्पे-चप्पे से वाकिफ हैं। इसलिए किसी घुसपैठ की जानकारी इसी समुदाय को तुरंत होती है और ये लोग फौरन सेना को सचेत कर देते हैं। देशप्रेम व साहस के लिए मशहूर यह समुदाय एक तरह से बिना वर्दी के सिपाही की तरह है, जिस पर सेना को नाज है। वर्ष 1999 के कारगिल युद्ध के दौरान भी घुसपैठ की सूचना गुर्जर बकरवाल समुदाय के लोगों ने ही दी थी। यह समुदाय अलगाववादी तत्वों से इत्तेफाक नहीं रखता। इस घुमंतू समुदाय के लोग मार्च से नवंबर तक उच्च पहाड़ी इलाकों में रहते हैं और नवंबर में जब बर्फबारी शुरू होती है, तो ये मैदानी इलाकों की तरफ रुख कर लेते हैं। वर्ष के लगभग तीन महीने ये सड़कों पर बिताते हैं। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार, इनकी आबादी लगभग 12 लाख है, जो इस केंद्रशासित प्रदेश की आबादी का लगभग 11 फीसदी है। लेकिन समुदाय के नेताओं का अनुमान है कि इस समुदाय की जनसंख्या 18 लाख से अधिक है। जम्मू-कश्मीर की कम से कम 16 विधानसभा सीटों पर चुनाव का नतीजा गुर्जर बकरवाल के वोटों से तय होता है। ऐसे में हर राजनीतिक दल की निगाह इस बड़े वोटबैंक पर रहती है। हालांकि सामाजिक और आर्थिक पिछड़ेपन और राजनीतिक समझ की कमी होने के कारण इस समुदाय को कभी समुचित अधिकार नहीं मिले। समुदाय के जिन लोगों ने चुनाव जीतकर विधानसभा में प्रवेश किया, उन्हें कभी कबीना मंत्री का दर्जा नहीं दिया गया। समुदाय के नेता कहते हैं कि गुर्जर बकरवाल किसी पार्टी को नहीं, बल्कि अपने समुदाय के उम्मीदवार को वोट देते हैं, लेकिन पार्टियों ने इन्हें टिकट से भी खूब वंचित रखा। अब जब इन्हें राजनीतिक आरक्षण दिए जाने की योजना बन रही है, तो जाहिर है कि इसका फायदा केंद्र में सत्तारूढ़ दल को ही मिलेगा। गुर्जर बकरवाल समुदाय को राजनीतिक आरक्षण देने की योजना भाजपा द्वारा राज्य में जनाधार बढ़ाने की दिशा में एक अहम कदम है और इससे पार्टी के मिशन 55 को बल मिलेगा।

भारत के विभिन्न राज्यों में इस समुदाय को अलग-अलग तरह का आरक्षण प्राप्त है। राजस्थान, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और गुजरात में अन्य पिछड़ा वर्ग और हिमाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों में इसे अनुसूचित जनजाति का दर्जा प्राप्त है।

हम अकेले नहीं, परमेश्वर हमारे साथ हैं

कई लोग इस दुनिया में खुद को अकेला महसूस करते हैं। आज इस आधुनिक युग में शायद परमात्मा जैसी शक्ति में हम मुश्किल से विश्वास कर पाते हैं, जो समस्त प्राणियों से प्यार करते हैं। हमने पिता-परमेश्वर के प्रेम को कभी अनुभव नहीं किया, क्योंकि अपनी इन बाहरी आंखों से हम परमेश्वर को नहीं देख सकते। फिर भी हमारे पास ऐसे कई उदाहरण हैं, जो इस दुनिया में दिव्य-प्रेम के संकेत देते हैं। एक ऐसा प्रेम जिसे पाने वाला उसे महसूस तो करता है, लेकिन देख नहीं सकता। किंतु फिर भी वह मौजूद है। हम उनके प्रेम के बारे में नहीं जानते, इसका मतलब यह नहीं है कि वह प्रेम है ही नहीं। हम परमेश्वर के प्रेम का अनुभव कैसे कर सकते हैं और उनके अस्तित्व को कैसे जान सकते हैं? जब हम सृष्टि में कुछ अद्भुत घटनाएं देखते हैं, तो हमें परमेश्वर के होने का आभास होता है। जब हम देखते हैं कि सूर्य और अन्य ग्रह एक-दूसरे से टकराए बिना सौरमंडल में अपना स्थान कैसे बनाए हुए हैं, तब हमें आश्चर्य होता है। हमें आश्चर्य होता है कि कैसे पृथ्वी पर जीवन को बनाए रखने के लिए तापमान सही है, सांस लेने के लिए वायु में तत्त्वों का मिश्रण सही है और पर्याप्त भूमि है। भौतिक वैज्ञानिकों के अतिरिक्त, आत्मिक वैज्ञानिकों, जिन्हें हम संत-महापुरुष भी कहते हैं, ने अंदर की दुनिया की खोज की है और अपने अनुभवों के जरिये जीवन के आध्यात्मिक पहलुओं को उजागर किया है। सभी ने एक ही निष्कर्ष दिया है कि एक शक्ति है, जिससे सारी सृष्टि बनी है। चाहे हम उसे परमात्मा कहें या किसी अन्य नाम से पुकारें। पिता-परमेश्वर प्रेम के महासागर हैं और इसी प्रेम की शक्ति से उन्होंने सृष्टि की रचना की है। संत-महापुरुष, हमें बताते हैं कि अगर हम परमेश्वर में विश्वास करना चाहते हैं, तो हमें उन्हें अनुभव करने की आवश्यकता है। वे हमें परमेश्वर को अनुभव करने की विधि सिखाते हैं। एक बार जब हम उनका अनुभव कर लेते हैं तो हमें भी परमेश्वर में विश्वास हो जाता है।

बोधि वृक्ष

पाठक पत्र

कोरोना के प्रति लोगों की लापरवाही चिंताजनक

देश में कोविड-19 ने कोहराम मचाया। हमने इसे सफलतापूर्वक नियंत्रित किया। लेकिन अब हम लापरवाह हो गए हैं। अधिकतम लोग बिना मास्क के देखे जा सकते हैं और कोई शारीरिक दूरी नहीं है। हम कस्बों और शहरों में भीड़ देख सकते हैं। यह बहुत चिंता का विषय है। हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एसओपी को लागू करने के लिए नियमित रूप से अपील कर रहे हैं। लेकिन इस अपील का कोई विशेष प्रभाव नहीं है। यूरोपीय देशों में इस वायरस का जबरदस्त प्रकोप है। इनमें से कई में सरकार ने फिर से लॉकडाउन लागू करने की योजना बनाई है। अब यह हमारा कर्त्तव्य है कि वायरस से बचने के लिए एसओपी का उपयोग करें। वायरस के बढ़ने पर सरकार को फिर से कई प्रतिबंध लगाने पड़ेंगे और यह देश का बहुत बड़ा नुकसान होगा।

-नरेंद्र कुमार शर्मा, भुजडू, मंडी

देश दुनीया से

धुंध में शासन और बेदम लोग

दो भारत हैं! एक वह जो वायु प्रदूषण के खत्म होने का अंतहीन इंतजार कर रहा है और दूसरा वह, जो इस मुद्दे को हल करने में हमेशा से लगा रहा है और इसकी शर्मनाक बढ़ोतरी पर पनप रहा है। शासन द्वारा कामकाज का परित्याग अब सरकारों की रणनीति का हिस्सा है। अप्रत्याशित रूप से बुधवार को देश के प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि नौकरशाही जड़ता में चली गई है और अदालतों के निर्देश की प्रतीक्षा कर रही है। उन्होंने कहा कि इतिहास पहले खुद को त्रासदी और फिर तमाशे के रूप में दोहराता है। वायु प्रदूषण की कहानी केवल प्रणालीगत विफलताओं की झांकी है। वर्ष 2000 में सरकार ने संसद में स्वीकार किया था कि महानगरों में वायु प्रदूषण आर्थिक गतिविधियों, शहरीकरण और औद्योगिकीकरण में वृद्धि को प्रदर्शित करता है। वर्ष 2008 में, सरकार ने संसद को सूचित किया कि केंद्रीय और राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों द्वारा वायुमंडलीय वायु गुणवत्ता की निगरानी की जाती है और उपायों की प्रभावकारिता निर्धारित करने के लिए आंकड़े प्रसारित किए जाते हैं। आपको लगता होगा कि शुरुआती चेतावनियां और निगरानी मायने रखती हैं। लेकिन वर्ष 2015 में जाकर 'वायु आपातकाल' शब्द प्रचलन में आया। दिसंबर, 2015 में प्रकाश जावड़ेकर ने कृषि अपशिष्ट (पराली) निपटान, कचरा जलाने, लैंडफिल, निर्माण, परिवहन उत्सर्जन आदि से पार्टिकुलेट सामग्री के उत्सर्जन और घातक स्तर, दोनों उत्पन्न करने वाले कारकों से निपटने के लिए वायु अधिनियम की धारा 18 के तहत 39 कदमों की घोषणा की। यह योजना कैसी रही इसका उत्तर है, निगरानी और कार्यान्वयन, दोनों ही उपाय पूरी तरह सफल नहीं हुए। वर्ष 2017 में स्कूल बंद करने पड़े, विदेशी राजनयिकों ने विरोध किया और अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रोक दी गईं। वर्ष 2019 में आपातकालीन उपायों की घोषणा की गई और क्रिकेट खिलाड़ियों ने मास्क पहनकर प्रशिक्षण लिया। वर्ष 2021 में एक ग्रेडेड रेस्पॉन्स ऐक्शन प्लान लागू है, फिर भी आपात स्थिति है। दो दशक बाद ऐसा लगता है कि कुछ नहीं बदला है। और एक बार फिर दो भारत हैं। एक दिल्ली है, जिस पर राष्ट्रीय राजनेता ध्यान देते हैं और दूसरा शेष भारत है, जो चुपचाप पीड़ित है। दिल्ली का खास भूगोल स्पष्ट रूप से एक राष्ट्रीय समस्या की भयावहता को उजागर करता है। अगस्त, 2021 में सरकार ने 1,114 निगरानी केंद्रों का आंकड़ा संसद में साझा किया, जो बताता है कि 132 शहर पीएम (पार्टिकुलेट मैटर) के स्तर के मामले में राष्ट्रीय वायु गुणवत्ता मानक पर खरा नहीं उतरते। इनमें से 17 शहर उत्तर प्रदेश के हैं और 23 महाराष्ट्र के। दिल्ली, कानपुर, मुरादाबाद, गाजियाबाद, अमृतसर, लुधियाना, आगरा जैसे 50 से अधिक शहरों ने 100 माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर से ऊपर पीएम स्तर की सूचना दी, जो कि 31 माइक्रोग्राम/एम3 के स्वीकार्य मानक से तीन गुना अधिक है। रविवार को उत्तर प्रदेश के 37 से अधिक शहरों में पीएम 10 का स्तर 100 से अधिक दर्ज किया गया, जो कि पीएम के सामान्य स्तर का तीन गुना है। खराब वायु गुणवत्ता के दुष्प्रभाव होते हैं। सितंबर 2021 में विश्व स्वास्थ्य संगठन ने खुलासा किया कि वायु प्रदूषण दुनिया भर में 70 लाख से अधिक असामयिक मौतों का कारण था। इनमें से करीब 25 फीसदी मौतें भारत में होती हैं। ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज स्टडी-2019 के अनुमानों के अनुसार, वायु प्रदूषण भारत में 17 लाख से अधिक मौतों का कारण है-यानी एक घंटे में 1,900 से अधिक मौतें।

खराब वायु गुणवत्ता के दुष्प्रभाव होते हैं। सितंबर 2021 में विश्व स्वास्थ्य संगठन ने खुलासा किया कि वायु प्रदूषण दुनिया भर में 70 लाख से अधिक असामयिक मौतों का कारण था। इनमें से करीब 25 फीसदी मौतें भारत में होती हैं। ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज स्टडी-2019 के अनुमानों के अनुसार, वायु प्रदूषण भारत में 17 लाख से अधिक मौतों का कारण है-यानी एक घंटे में 1,900 से अधिक मौतें।

आर एन आई (टी सी) नं- JHAHIN01027,स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक डॉ सिकन्दर कुमार द्वारा माँ भवानी आर्ट भागलपुर रोड नीयर सिनेमा हॉल दुधानी दुमका से मुद्रित एवं झारखण्ड देखो कार्यालय मजिस्ट्रेट कॉलोनी बंदरजोरी, दुमका से प्रकाशित,
प्रधान संपादक डॉ सिकन्दर कुमार, मोबाइल नं-9955599136(इस अंक में प्रकाशित समाचारों का चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी)

बिग बॉस 15 की विनर तेजस्वी प्रकाश हुई थीं बॉडी शेमिंग का शिकार, सुनने पड़े थे ये भद्दे कमेंट्स

मुंबई।

टीवी की खूबसूरत नागिन यानी तेजस्वी प्रकाश ने जब से दोबारा इंडस्ट्री में एंट्री की है, तब से वो फैंस की चहीती हो गई हैं। अपने हालिया इंटव्यू में ऐक्ट्रेस ने उनके ऊपर हुए बॉडी शेमिंग के कमेंट्स के बारे में खुलकर बात की है। तेजस्वी ने बताया कि उन्हें इस बात पर गर्व है जिस तरह से उन्हें भगवान ने बनाया है। तेजस्वी ने आगे कहा कि उनके परिवार, दोस्तों और उनके लवर ने कभी भी उनमें कोई दोष नहीं पाया और उन्हें हमेशा यही कहा कि उन्हें दूसरों के लिए खुद को क्यों बदलना चाहिए, जिन्हें वह जानती भी नहीं हैं।

कम वजन होने के कारण उन्हें मिलने वाले निगेटिव कमेंट्स पर रिएक्ट करते हुए तेजस्वी ने कहा, यह बॉडी शेमिंग केवल अधिक वजन वाले लोगों के साथ नहीं होता है। यह पतले लोगों के साथ होता है। मुझे निगेटिव कमेंट्स भी मिल रहे थे क्योंकि मैं कम वजन की थी। जीवन में जब आप एक ऐक्टर बन जाते हैं और आपके पास पैसा होता है, तो आप अपने शरीर पर काम करने के लिए ललचाते हैं। कई बार आपको सजेशन मिलते हैं कि आप परफेक्ट दिखने के लिए बाहरी सर्जरी या सुधार करें।

केजीएफ 2 बना सिनेमा का नया 'सुल्तान', पहले वीकएंड में ही जीत लिया सिंहासन

मुंबई। भारतीय सिनेमा के इतिहास में ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। हिंदी में डब फिल्मों के इतिहास में आगे ऐसा कब होगा, किसी को नहीं पता। लेकिन, चार साल पहले तक जिस कलाकार का लोग नाम तक नहीं जानते थे, उसकी बस दूसरी फिल्म ने हिंदी में डब होकर रिलीज होने के बाद पहले वीकएंड में सबसे ज्यादा कमाई करने का नया रिकॉर्ड बना दिया है। फिल्म 'केजीएफ चैप्टर 2' ने इस रिकॉर्ड के साथ ही देश में रिलीज हुई किसी कन्नड़ फिल्म के रिलीज के चार दिनों में ही 400 करोड़ रुपये से ऊपर की कुल कमाई करने का भी नया रिकॉर्ड बना डाला है। 'केजीएफ चैप्टर 2' हिंदी में रिलीज होकर पहले वीकएंड में सबसे ज्यादा कमाई करने का नया रिकॉर्ड बनाया और स्थान से फिल्म 'सुल्तान' को हटा दिया।

केजीएफ चैप्टर 2' की कमाई में शुक्रवार और शनिवार के मुकाबले रविवार को ठीक ठाक उछाल देखने को मिला और इसके साथ ही फिल्म ने हिंदी भाषी राज्यों में अपनी पकड़ और मजबूत कर ली है। फिल्म के हिंदी संस्करण के कलेक्शन की जो रफ्तार है उसे देखते हुए आने वाले शुक्रवार को रिलीज हो रही शाहिद कपूर की फिल्म 'जर्सी' और उसके बाद ईद पर रिलीज होने जा रही अजय देवगन की फिल्म 'रनवे 34' का भविष्य भी बहुत उज्जवल नहीं दिख रहा है। फिल्म 'केजीएफ चैप्टर 2' हिंदी ने रिलीज के चौथे ही दिन 195 करोड़ रुपये की नेट कमाई करके इस पोजीशन पर अब तक काबिज रही सलमान खान की फिल्म 'सुल्तान' की जगह ले ली है।

हॉलीवुड सिंगर कैटी पेरी ने अपने हाथ पर संस्कृत में क्यों बनवा रखा है टैटू, क्या है इसका मतलब

लॉस एंजेलसि ।

अमेरिकी सिंगर कैटी पेरी अपनी दमदार आवाज के साथ-साथ अपने जबरदस्त लुक्स के लिए भी दुनियाभर में काफी मशहूर है। लोग उनके बिंदास अंदाज के दीवाने हैं। उनके गानों को काफी ज्यादा सुना और पसंद किया जाता है। उनकी फैन फॉलोइंग केवल विदेशों में ही नहीं बल्कि भारत जैसे बड़े देश में भी है।उनके गानों को देश में भी काफी सुना जाता है। कैटी पेरी अक्सर स्टेज पर आते ही धमाल मचा देती हैं। उनका यही अंदाज फैंस को बेहद भाता है। साथ ही वो सोशल मीडिया लवर भी हैं। वो अक्सर ही अपने फैंस के साथ अपनी खूबसूरत फोटो-वीडियो साझा करना पसंद करती हैं। इसके अलावा वो अपने टैटू के लिए भी काफी जानी जाती हैं। वैसे तो कैरी पेरी के सभी टैटू काफी आकर्षक लगते हैं, लेकिन उनका एक टैटू कुछ अलग है और खास भी है। दरअसल, कैटी का ये टैटू संस्कृत भाषा में लिखा है। कैटी ने अपने दाहिने हाथ में संस्कृत में 'अनुगाचति प्रवाह' टैटू गुदवा रखा है, जिसे कई साल हो चुके हैं, लेकिन फिर भी उनकी इस टैटू वाली फोटो जरूर वायरल होती है. उनके इस का अर्थ है 'प्रवाह के साथ जाना'।

देवघर के आइलेक्स में फिल्म के सभी शो चल रहे हैं हाउसफुल

कोई नहीं है टक्कर में केजीएफ-2 खुद से ही मुकाबला कर रही है

बॉक्स ऑफिस मॉन्सटर बन गई यश की 'केजीएफ 2'

मुंबई।

सुपरस्टार यश स्टारर फिल्म केजीएफ 2 बॉक्स ऑफिस पर ताबड़तोड़ कलेक्शन कर रही है। रिकॉर्ड ब्रेकिंग ओपनिंग करने के बाद अब यश की फिल्म लगातार उस आंकड़े को मेनटेन करने की कोशिश कर रही है, जैसी इसने शुरुआत की थी। सिर्फ हिंदी वर्जन से ही फिल्म अभी तक 143 करोड़ का कलेक्शन कर चुकी है। फिल्म की कमाई के आंकड़े ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से शेयर करते हुए फिल्म के परफॉर्मेंस पर अपनी प्रतिक्रिया दी है।

● केजीएफ 2 - सिर्फ हिंदी वर्जन से कर ली इतनी कमाई

तरण आदर्श ने केजीएफ 2 को बॉक्स ऑफिस मॉन्सटर बताया है। जहां तक फिल्म की कमाई के आंकड़ों की बात है तो आपको बता दें कि फिल्म ने सि-र्फ हिंदी वर्जन के दम पर पहले ही दिन 53 करोड़ 95 लाख रुपये का बिजनेस किया था। दूसरे दिन इसने 46 करोड़ 79 लाख रुपये की कमाई की और फिर शनिवार को इसने 42 करोड़ 90 लाख रुपये कमाए। रविवार के दिन ज्यादातर लोगों की छुट्टी होगी और ऐसे में अब देखना होगा कि फिल्म क्या कमाल दिखाती है।

● दुनिया का सबसे अमीर इंसान बनकर दिखाऊंगा'

क्या सोमवार का बिजनेस फिल्म के ओपनिंग डे बिजनेस से भी ऊपर चला जाएगा? ये देखना काफी दिलचस्प होगा। यश की फिल्म केजीएफ चैप्टर 1 एक ब्लॉकबस्टर हिट रही थी और अब केजीएफ 2 को लेकर भी वैसा ही रिएक्शन देखने को मिल रहा है। फिल्म की कहानी एक ऐसे बच्चे के बारे में है जो अपनी मरती हुई मां से वादा करता है कि वह दुनिया का सबसे अमीर इंसान बनकर दिखाएगा।

● बॉक्स ऑफिस मॉन्सटर बन गई यश की 'केजीएफ 2'

तरण आदर्श ने केजीएफ 2 का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन बताते हुए लिखा, केजीएफ 2 [हिंदी] एक रिकॉर्ड ब्रेकिंग वीकेंड के लिए पूरी तरह तैयार है। फिल्म का तीसरा दिन सुपर सॉलिड रहा है। फिल्म ने मैट्रो सिटीज में जबरदस्त बिजनेस किया है। ज्यादा कमाई वाले इलाकों में बिजनेस अच्छा रहा है। चौथे दिन के कलेक्शन की टक्कर सीधे तौर पर फिल्म के पहले दिन के कलेक्शन से रहेगी।'

दिशा पाटनी के बोल्ड लुक ने बढ़ाया इंटरनेट का पारा

मुंबई।

बॉलीवुड की सुपरहॉट और सुपरफिट एक्ट्रेस दिशा पाटनी अपने हॉटनेस के लिए जानी जाती है। दिशा सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती है। समय-समय पर बोल्ड फोटो शेयर कर सोशल मीडिया का तापमान बढ़ाती रहती है। तगड़ी फैन फालोइंग होने की वजह से उनकी तस्वीरों को वायरल होने में ज्यादा देर नहीं लगती है। इसी बीच एक बार फिर उनकी एक तस्वीर सोशल मीडिया में तहलका मचा रही है।सुपरहॉट और सुपरफिट दिशा पाटनी ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी इस लेटेस्ट तस्वीर शेयर की है। तसवीर में दिशा ब्रॉन्ज कलर की बिकिनी पहने हुए नजर आ रही हैं, जो कुछ ज्यादा ही रिवीलिंग है। फोटो में दिशा साइड पोज दे रही हैं और हाथों से अपने बालों को संभाल रही हैं। इसी के साथ उनके चेहरे पर सूरज की किरणें पड़ रही हैं, जो उनकी खूबसूरती में चार चांद लगा रही है। तस्वीर में दिशा ऐसा पोज दे रही हैं जो उनकी फिट बॉडी और कर्वी शेप को बेहद ही खूबसूरती से दिखा रहा है।

दिशा पाटनी के वर्क फ्रंट की बात करें तो वह जल्द ही 'एक विलेन 2' में नजर आएंगी। इस फिल्म में उनके साथ अर्जुन कपूर, जॉन अब्राहम और तारा सूतारिया अहम किरदा-रों में दिखाई देंगे। इसके बाद वह सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ 'योद्धा' में काम करती हुई नजर आएंगी। इसके अलावा यह भी खबर आ रही है कि दिशा अल्लू अर्जुन की सुपरहिट फिल्म 'पुष्पा' के दूसरे भाग 'पुष्पा 2' में आइटम सॉन्ग करती नजर आएंगीं। जो सामंथा रूथ प्रभु के 'ऊं अंटावा' जितना ही धमाकेदार होगा।

दूसरों पर न हावी होने दें अपने खराब मूड को, ऐसे बनाएं रिलेशनशिप को बेहतर

रिश्तों में चल रही परेशानी हो या ऑफिस में काम का बोझ, इन सबका सीधा असर हमारे मूड पर होता है जिसके चलते हम बिना वजह दूसरों से लड़ाई झगड़े करते हैं। अगर ऐसी नौबत बार-बार आ रही है तो संभल जाने की जरूरत है क्योंकि इससे एक नहीं बल्कि कई रिश्ते खराब होने लगते हैं। काम के दौरान अगर इन बातों से ध्यान भटकता हो, तो इन बातों पर गौर करके इसे काफी हद तक कम किया जा सकता है।

प्राथमिकताएं तय करें

दिनभर के कामों की सूची बनाएं। इसमें तीन सबसे महत्वपूर्ण कामों को पहले लिखकर उनकी समय सीमा निर्धारित कीजिए। कम महत्व के कामों को आखिर में शामिल कीजिए, ताकि समय न भी बचे, तो कोई खास नुकसान न हो।

आराम की तकनीक

काम की अधिकता के चलते बार-बार मन भटकता हो, तो अपनी जगह पर ही सीधे बैठ जाइए और गहरी सांसें लेते हुए उन पर ध्यान केंद्रित कीजिए। इससे शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ेगी और आप काम करने के लिए रीचार्ज हो जाएंगे।

जगह बदलें

अगर आपको ज्यादातर काम फोन पर ही निबटाने होते हैं और आसपास ध्यान भटकाने वाले कारक मौजूद हैं, तो कुछ देर के लिए जगह बदल लें। फोन पर बातचीत करते समय किसी शांत जगह पर चले जाएं।

डायरी साथ रखें

मीटिंग में या फोन पर की गई जरूरी बातें याद नहीं रहतीं, तो साथ में एक डायरी रखें। महत्वपूर्ण बातों को लिखते जाएं, ताकि बाद में कोई चूक न हो। इससे आपके पास हर बात का रिकॉर्ड भी रहेगा।

एक रुटीन बनाएं

मोबाइल, चाबियां आदि रखने के लिए एक ही स्थान तय होना चाहिए। ऐसा न होने पर अनावश्यक तनाव बढ़ जाता है और दफ़्तर पहुंचकर ध्यान केंद्रित करने में परेशानी होती है।

सर्दियों में अधिक धूप सेंकना भी है खतरनाक

सर्दी की दस्तक के साथ ही आईजीएमसी में स्किन ओपीडी में मरीजों की संख्या बढ़ने लगी है। रोजाना छह से सात मरीज स्किन ड्राइनेस की समस्या को लेकर अस्पताल पहुंच रहे हैं। इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज के एसोसिएट प्रोफेसर (स्किन) डॉक्टर जीआर टेगटा ने बताया कि ठंड बढ़ते ही ड्राइनेस जैसी समस्या लोगों को हो रही है। लोगों के हाथ में नीलापन की समस्या देखी जा रही है।

उन्होंने बताया कि खुश्क ठंड में यह समस्या और भी विकराल हो जाती है। इससे शरीर में कई प्रकार की बीमारियां पैदा होती हैं। सर्दियों में ज्यादा धूप सेंकने पर भी कई प्रकार की बीमारियां होती हैं। ज्यादा धूप सेंकने पर आंखों के सामने काली छाइयां और मुंह में रेशेस के अलावा पॉलीमर फिसलाइट इंफेक्शन जैसी समस्या होती है।

इस तरह भी होती है स्किन ड्राइनेस-

गर्म पानी में हाथ धोने से भी होती है ड्राइनेस
सर्दियों में रोज-रोज साबुन का इस्तेमाल
वातावरण में खुश्की होना।
इस तरह बचें खुश्की से-
गरी के तेल की मालिश करें।
साबुन का इस्तेमाल कम करें।
एंटीसेप्टिक डिटॉल को पानी में न डालें, इसके इस्तेमाल से बचे।

मुश्किल विचारों को आसान बना सकते हैं इन तरीकों से

बहुत बार हमारे विचार मुश्किल के मुश्किल ही बने रहते हैं। बहुत कोशिशों के बाद भी वे आसान नहीं बनते। जानिए कुछ तरीकों के बारे में जो मुश्किल विचारों को आसान बना सकते हैं।

1. अपने विचारों को कुछ फिल्टर से निकालने की कोशिश करें। जैसे- क्या यह विचार सच है। क्या इस विचार से किसी को फायदा मिल रहा है। क्या इससे किसी का नुकसान तो नहीं हो रहा है।

2. खुद के साथ वैसा ही बर्ताव करें जैसा आप अपने सबसे करीबी मित्र के साथ करते हैं। खुद को हर समय बेस्ट ट्रीटमेंट दें।

3. खुद को सकारात्मक सांत्वना दें। जैसे आप अच्छे व्यक्ति हैं। अच्छे दिखते हैं। काम भी अच्छा करते हैं। आप में कई ऐसी खूबियां हैं जो दूसरे लोगों में नहीं हैं।

4. मुश्किल परिस्थितियों को साधारण से साधारण बनाने की कोशिश करें। अच्छे विचार आएंगे।

5. हर व्यक्ति के जीवन में कोई न कोई कहानी होती है। उसे जानने की कोशिश करें।

गंगटोक: प्रकृति और बौद्ध संस्कृति से दोस्ती का शहर

पूर्वी हिमालय रेंज में शिवालिक पहाड़ियों के ऊपर 1437 मीटर की ऊंचाई पर स्थित गंगटोक सिक्किम जाने वाले पर्यटकों के बीच एक प्रमुख आकर्षण है। साल 1840 में एनचेय नाम के मठ के निर्माण के बाद, गंगटोक शहर प्रमुख बौद्ध तीर्थ स्थल के रूप में लोकप्रिय होना भी शुरू हो गया।

1947 में स्वतंत्रता के बाद सिक्किम एक स्वतंत्र राजशाही के रूप में कार्य करता रहा। बाद में 1975 में गंगटोक को देश के 22वें राज्य की राजधानी घोषित किया गया था। और आज, सिक्किम कई रोचक बातों के लिये जाना जाता है। सिक्किम के पर्यटन का मुख्या आधार तिब्बिती बौद्ध संस्कृनति को सीखने का मुख्या केंद्र है, गंगटोक शहर के इतिहास के बारे में ज्यादा कुछ ज्ञात नहीं है।

हालांकि, पहले के रिकॉर्ड की तिथि जो गंगटोक के अस्तित्व के बारे में बात करती है वो 1716 का साल है। उस साल हर्मिटिक गंगटोक मठ का निर्माण हुआ था। और जब तक शहर में प्रसिद्ध एंचेय मठ का निर्माण हुआ, गंगटोक काफी अनन्वेषित था। हालांकि, वर्ष 1894 में इस जगह को सिक्किम की राजधानी घोषित किये जाने के साथ इसका महत्व बढ़ना शुरू हुआ। शहर ओग गंगटोक पहाड़ी के एक तरफ स्थित है। गंगटोक में पहाड़ी के किनारे पर एक छोर पर राज्यपाल का निवास और अन्य पर एक महल स्थित है। गंगटोक के पूर्व और पश्चिम की ओर रोरो चू और रानी खोला झरने बहते हैं। ये धारायें रानीपुल से मिलती हैं जो आगे दक्षिण में बहती हैं।

दुनिया की तीसरी सबसे ऊंची चोटी माउंट कंचनजंगा गंगटोक के पश्चिमी ओर से देखी जा सकती है। शहर में जलवायु इतनी अनुकूल है कि पर्यटक घूमने के लिये साल में कभी भी गंगटोक आ सकते हैं। यहां साल भर मौसम खुशनुमा रहता है। सर्दियों में यहां बहुत ठंड होती है। कभी-कभार बर्फबारी भी हो जाती है। मॉनसून और सर्दियों में मौसम कोहरे से भरा रहता है।

गंगटोक की संस्कृति

गंगटोक में प्रचलित संस्कृति खूबसूरत और अनूठी है। शहर लोकप्रिय हिन्दूत त्यो हार दीवाली, दशहरा, होली और क्रिसमस की तरह विभिन्न स्थानीय त्योहार भी मनाता है। गंगटोक में तिब्बतियों के लिए नववर्ष समारोह जनवरी और फरवरी के आसपास होता है। उसे लोसर कहा जाता है और यह पारंपरिक शैतान डांस के साथ मनाया जाता है। शहर में लेपचाओं और भूटिया के लिए नया साल जनवरी में शुरू होता है। गंगटोक में माघ संक्रान्ति और रामनवमी भी दो महत्वपूर्ण नेपाली त्योकहार हैं, जो धूम धाम से मनाये जाते हैं। कुछ अन्य उत्सव, जो गंगटोक में लोग मनाते हैं वो हैं दलाई लामा का जन्मदिन द्रुपका तेशी, छोटरुल ड्यूचेन, बुद्ध जयंती, लूसोंग, सागा दावा, लबाब ड्यूचेन और भुमचू।

जायें तो यह खायें

आप जब भी यहां आएं तो मोमोज खाना मत भूलें, क्योंकि यह यहां सबसे लोकप्रिय भोजन है। यह पकी हुई सब्जियों को आटे में लपेट कर भांप में पकाया जाता है और सूप के साथ परोसा जाता है। वा-वाई यहां का एक और लोकप्रिय भोजन है, जो नूडल्स से बनता है। गंगटोक में उपलबध नूडल से बने अन्या लोकप्रिय भोजनों में थुपका, चाउमिन, थनथुक, फकथू वानटन और ग्यासथुक शामिल हैं। इसके अलावा, सिक्किम पर्यटन विभाग दिसंबर के महीने में गंगटोक में हर साल एक वार्षिक खाद्य एवं संस्कृति उत्सव का आयोजन करता है। इस उत्सव में सिक्किम के बहु सांस्कृनतिक व्यंहजनों के स्टॉषल लगाये जाते हैं, जहां पारंपरिक ढंग से उन्हेंद सजाया जाता है। इस मौके पर दर्शकों के मनोरंजन के लिये संगीत एवं लोक नृत्य के प्रदर्शन किये जाते हैं। यह समारोह शहर में एमजी मार्ग पर टाइटैनिक पार्क में आयोजित किया जाता है।

चारों ओर पर्यटन स्थल

सिक्किम की राजधानी होने के नाते गंगटोक शहर में दिलचस्पो और महत्वपूर्ण स्थान शामिल हैं। इनमें से कुछ में शामिल हैं जैसे एंचेय मठ, चंगू झील, नाथूला दर्रा, नामग्याल तिब्बहतशास्त्रह के संस्थान, ड्रल चोर्टन, गणेश टोक हनुमान टोक, सफेद दीवार, रिज गार्डन, हिमालय चिड़ियाघर पार्क, एमजी मार्ग और लाल बाजार और रुमटेक मठ।

कब जाएं गंगटोक

यह जगह घूमने के लिये पूरे साल तक वातावरण अच्छा रहता है। इसलिए कड़ाके की सर्दी यानि दिसंबर-जनवरी को छोड़कर किसी भी मौसम में यहां आया जा सकता है।

कैसे पहुंचे गंगटोक

आप गंगटोक वायु, रेल या सड़क मार्ग के माध्यम से गंतव्य तक पहुंच सकते हैं। यहां का निकटतम हवाई अड्डा बागडोगरा है। यहां से सड़क मार्ग द्वारा गंगटोक पहुंचा जा सकता है। इसके अलावा न्यू जलपाइगुड़ी रेलवे स्टेशन सबसे निकटतम है। जो देश के तमाम बड़े शहरों से जुड़ा है। यहां से बस या फिर टैक्सी के द्वारा गंगटोक तक पहुंचा जा सकता है।

सुंदरता और स्वास्थ्य का अच्छा दोस्त है नारियल पानी

हरा नारियल शीतल प्रकृति का पुष्टिकारक व रक्त विकारों को नष्ट करने वाला फल है। नारियल का पानी प्यास बुझाने में सहायक होता है। नारियल का पानी गुणों का भंडार है। इसके नियमित सेवन से कई लाभ हैं...

-हैजा होने पर नारियल का पानी देना लाभकारी होता है। शरीर में पानी की कमी को पूरा करने में मदद देता है।

-गुर्दे की पथरी या पेशाब में जलन होने पर नारियल का पानी पीना हितकर है।

-नारियल के पानी से चेहरा धोने पर दाग-धब्बे, कील मुंहासे आदि में लाभ होता है और त्वचा की कांति बढ़ती है।

-गर्भवती महिलाएं यदि कच्चा नारियल थोड़ा सा प्रतिदिन लें या नारियल पानी का सेवन करें तो बच्चा सुंदर और गोरे रंग का होता है।

-नारियल पानी से आंखें धोने पर आंखों की ज्योति बढ़ती है।

-नारियल पानी के सेवन से पाचन शक्ति बढ़ती है।

-नारियल पानी हृदय रोगियों के लिये भी हितकर माना जाता है।

-नकसीर आने पर प्रतिदिन 100 से 125 मिलीलीटर नारियल पानी दस दिन तक खाली पेट पीने को दें। लाभ मिलता है। नारियल पानी संक्रामक रोगों में भी रोगी को आराम देता है।

-बार-बार प्यास लगने पर नारियल का पानी प्यास बुझाता है।

-नारियल पानी में यह सबसे महत्वपूर्ण लाभ है कि इसमें किसी प्रकार का कोई एसिड मिला नहीं होता।

-नारियल पानी स्वास्थ्य लाभ में पूर्ण रूप से फायदेमंद है।

-अत्यधिक सेवन नुकसान पहुंचा सकता है। अधिक लंबे समय तक इसका सेवन न करें।